भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 114 | मुरैना,रविवार 02 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ में धूमधाम से मनाया गया पत्रकार छोटू मीणा का जन्मदिन

पेज : 03

सावन विशेष : भगवान शिव का अद्भुत स्वरूप और उसमें छिपा जीवन-दर्शन

पेज : 04

चित्रांश बंधुओ के द्वारा नशा न करने के लिए दिलाई शपथ

पेज : 06

भाजपा मण्डल मेहगांव की मासिक कामकाजी बैठक संपन्न

पेज : 07

समृद्ध मध्यप्रदेश के लिए सेवा और सुशासन ही हमारा मूल विकास मंत्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जबलपुर एक साल में बनेगी मेट्रोपॉलिटन सिटी

मुख्यमंत्री ने मेट्रोपॉलिटन सिटी का ड्रॉफ्ट बनाने के दिए निर्देश

जबलपुर में बनेगा फर्नीचर क्लस्टर

11 लाख पौधे लगाने संबंधी अभियान का भी किया शुभारंभ

मदन महल पहाड़ी पर बनाया जाएगा एक बड़ा चिड़िया घर

जबलपुर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बनेंगे सांदीपनि विद्यालय

नगर निगम जबलपुर की स्वच्छता सर्वेक्षण पर केन्द्रित कॉफी टेबल का किया विमोचन

स्ट्रीट वेंडर्स हितग्राहियों को वितरित किए डिजिटल क्रेडिट कार्ड

जबलपुर को दी 397 करोड़ रूपए के 5 विकास कार्यों की सौगात

तीन बड़े सीवेज प्लांट और मत्स्य विक्रय केन्द्र का किया लोकार्पण

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को जबलपुर को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि नगर निगम जबलपुर अगले एक वर्ष में मेट्रोपोलिटन सिटी बनेगा। उन्होंने मौके पर ही संबंधितों (कमिश्नर, कलेक्टर एवं अन्य) को जल्द से जल्द जबलपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी का ड्रॉफ्ट प्रपोजल तैयार करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा हमारी सरकार का दायां और सुशासन बायां हाथ है। हम मध्यप्रदेश के विकास प्रदेश के नागरिकों की सुख-समृद्धि और सेवा के प्रति संकल्पित है। सेवा और सुशासन ही हमारे लिए समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का मूल और वास्तविक विकास मंत्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने प्रदेश की जनता से विकास का सच्चा वादा किया है। आज प्रदेश में चहुंओर विकास की बहार है। 'सच्चा वादा, पक्का काम' हम जो भी कहते हैं, वो करके भी दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर के गीता भवन परिसर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन का 11 लाख पौधे लगाने के महा अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जबलपुर जिले को और भी कई सौगातें दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर में एक 'फर्नीचर क्लस्टर' बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जबलपुर की मेडिकल यूनिवर्सिटी को अब मध्यप्रदेश के एम्स (राज्यस्तरीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर और आसपास की परिधि मे स्थित नेशनल पार्क में आने वाले पर्यटकों के विशेष आकर्षण के लिए जबलपुर में ही वाइल्ड एनीमल्स विजिबिलिटी की सुविधा विकास के लिए यहां मदन महल पहाड़ी के पास एक चिड़िया घर (जू) बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि जबलपुर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार सांदीपनि विद्यालय भी बनाये जायेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जबलपुर शहर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लिए यहां करीब 397 करोड़ रूपए के 5 विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर निगम जबलपुर के स्वच्छता सर्वेक्षण पर केन्द्रित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन कर यहां पात्र सैकड़ों रेहड़ी-पटरी-श्रमिक (स्ट्रीट वेंडर्स) हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत डिजिटल क्रेडिट कार्ड्स भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर में 362.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 'अमृत 1.0' सीवेज परियोजना का शुभारंभ कर कठौंदा, ललपुर और तेवर में बने तीन बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जबलपुर की सिविल लाइन्स इलाके में 25 लाख रूपए की लागत से रजक समुदाय के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडर्न लॉन्ड्री एरिया का शुभारंभ कर गुरंदी बाजार क्षेत्र में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केन्द्र का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर को 'पुण्य नगरी' की उपमा देते हुए कहा कि हमारे देश और प्रदेश में कई तरह से विकास कार्य चल रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश का स्वर्णिम काल चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' से आकाशवाणी को एक नई पहचान दे दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप देश की 80 करोड़ आबादी को निःशुल्क राशन, पक्का मकान, निःशुल्क शौचालय, हर घर नल से जल, आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख रुपए तक के इलाज की निशुल्क सुविधा मिल रही है। रेहड़ी वाले छोटे व्यापारियों को पीएम स्वनिधि योजना में लाभ मिल रहा है। आज जबलपुर के अनेक हितग्राहियों को डिजिटल कार्ड प्रदान किए गए हैं। हर गरीब के जीवन को सुख के सूरज की रौशनी से प्रकाशित करने के लिये प्रतिबद्ध होकर राज्य सरकार कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स के भारतीय पदक विजेताओं को बधाई दी

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के भारतीय पदक विजेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, 'ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए एक और शानदार पल। महिलाओं के 57 किग्रा बॉक्सिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने पर जैस्मीन लंबोरिया को बहुत-बहुत बधाई। आपके अटूट समर्पण, दृढ़ संकल्प और बेहतरीन प्रदर्शन ने देश का मान बढ़ाया है। आपकी प्रेरणादायक यात्रा के आगे भी जारी रहने पर मैं आपके और भी सफल होने की कामना करती हूं। बेहतरीन प्रदर्शन से मिली शानदार जीत। महिलाओं की 54 किलोग्राम बॉक्सिंग स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने पर प्रीति पंवार को भी बहुत-बहुत बधाई। आपकी यह यादगार उपलब्धि आपके संयम, सटीकता और असाधारण कौशल का प्रमाण है। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं और उम्मीद करती हूं कि आप भारत की खेल-संबंधी उम्मीदों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। 'उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि महिलाओं के 54 किग्रा और 57 किग्रा बॉक्सिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने पर प्रीति पवार और जैस्मीन लैंबोरिया, पुरुषों के ट्रिपल जंप इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले प्रवीण चित्रवेल और ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाले सेल्वा प्रभु के शानदार प्रदर्शन, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने देश का मान बढ़ाया है। उनके उज्ज्वल भविष्य तथा भारत के लिए और भी कई उपलब्धियां हासिल करने की कामना करते हैं।

मौसम में सुधार के बाद बालटाल मार्ग से फिर शुरू हुई अमरनाथ यात्रा

बालटाल, 01 अगस्त (हि.स.)। खराब मौसम और आवश्यक मरम्मत कार्यों के कारण एक दिन के लिए स्थगित की गई वार्षिक अमरनाथ यात्रा शनिवार को बालटाल मार्ग से पुनः शुरू हो गई। मौसम में सुधार और मार्ग की मरम्मत पूरी होने के बाद श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन की अनुमति दे दी गई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह से बालटाल मार्ग पर तीर्थयात्रा सामान्य रूप से संचालित की जा रही है। श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पवित्र गुफा मंदिर की ओर रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि मार्ग की स्थिति सुरक्षित होने के बाद यात्रा बहाल करने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्र प्रथम का मंत्र लेकर आगे बढ़ें युवा, विवेक स्मारक नई पीढ़ी के लिए बने प्रेरणा केंद्र : प्रधानमंत्री मोदी

मैसूर, 01 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मैसूर में श्री रामकृष्ण आश्रम परिसर में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र 'विवेक स्मारक' का उद्घाटन करते हुए युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह स्मारक ऐसे युवाओं के निर्माण का केंद्र बनेगा, जिनके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि हो और गरीब, वंचित तथा समाज की सेवा जीवन का लक्ष्य हो। उन्होंने कहा कि आज भारत की आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक उपलब्धियों के पीछे देश के युवाओं की शक्ति है और यही युवा विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत मैसूर की आराध्य देवी चामुंडेश्वरी को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले ही देश ने गुरु पूर्णिमा मनाई थी और उनके जीवन की यात्रा में रामकृष्ण मिशन का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि जहां से उनकी यात्रा शुरू हुई और आज वह जिस स्थान पर हैं, उसमें रामकृष्ण मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि मैसूर भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां के मंदिर, परंपराएं, दशहरा, राजमहल, संगीत और साहित्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि मैसूर ने अपनी इस विरासत को सहेजकर रखा है। श्री रामकृष्ण आश्रम और स्वामी विवेकानंद की स्मृतियां इसी गौरवशाली विरासत का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने उस ऐतिहासिक भवन का भी दौरा किया, जहां स्वामी विवेकानंद अपने प्रवास के दौरान ठहरे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि कुवेम्पु सहित अनेक विद्वानों का भी रामकृष्ण आश्रम से गहरा संबंध रहा है और विवेक स्मारक इस विरासत को नया विस्तार देगा।

मोदी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति एक दिन में महान नहीं बनता। महानता के लिए तप, साधना, संघर्ष और निरंतर आत्मसमर्पण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि प्रसिद्धि मिलने के बाद तो दुनिया साथ खड़ी हो जाती है लेकिन तपस्या के समय किसी महान व्यक्तित्व को पहचानना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि करीब 130 वर्ष पहले जब युवा संन्यासी के रूप में स्वामी विवेकानंद मैसूर आए थे, तब उनकी प्रसिद्धि नहीं थी लेकिन उनके विचार उतने ही महान थे। उस समय मैसूर के तत्कालीन महाराजा ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और सहयोग दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने स्वयं अपने पत्र में महाराजा के सहयोग का उल्लेख किया था।

रेलवे ने लुधियाना-जाखल पैसेंजर ट्रेन को जींद तक बढ़ाने की दी मंजूरी

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। भारतीय रेलवे ने क्षेत्रीय रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए उत्तर रेलवे की दैनिक लुधियाना-जाखल पैसेंजर ट्रेन (54053/54054) का विस्तार जींद तक करने को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से पंजाब और हरियाणा के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों सहित अन्य यात्रियों को सीधी रेल सुविधा मिलेगी।

रेल मंत्रालय के अनुसार, अब ट्रेन संख्या 54054 लुधियाना से सीधे जींद तक चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 54053 जींद से लुधियाना के लिए संचालित होगी। इससे पहले यह ट्रेन केवल लुधियाना और जाखल के बीच चलती थी। ट्रेन के विस्तार के बाद इसकी यात्रा दूरी 128 किलोमीटर से बढ़कर 200 किलोमीटर हो जाएगी। साथ ही जाखल और जींद के बीच आने वाले सभी स्टेशनों पर ट्रेन का वाणिज्यिक ठहराव होगा। इससे इस मार्ग के कस्बों और गांवों के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिलेगी।

रेल मंत्रालय ने कहा कि इस विस्तार से यात्रियों को जींद जाने के लिए जाखल में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापारिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी तथा पंजाब और हरियाणा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क भी मजबूत होगा।

मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय रेल संपर्क बढ़ाने के साथ-साथ यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और निर्बाध यात्रा उपलब्ध कराना है।

दतिया विधानसभा चुनावः सोमवार को होगी मतगणना, सभी तैयारियां पूर्ण

दतिया, 01 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उप निर्वाचन के अंतर्गत सोमवार, 03 अगस्त को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज दतिया में मतगणना होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वनिल वानखेड़े ने बताया कि मतगणना की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

कलेक्टर वानखेड़े ने शनिवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में मीडिया को बताया कि मतगणना प्रातः 8 बजे से डाक मतपत्रों की गणना के साथ प्रारंभ होगी। इसके उपरांत प्रातः 8:30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना शुरू की जाएगी। मतगणना के लिए कुल 20 काउंटिंग टेबल स्थापित की गई हैं, जबकि डाक मतपत्रों की गणना के लिए पृथक एक काउंटर बनाया गया है। उन्होंने बताया कि ईवीएम मतों की गणना कुल 15 चरणों (राउंड) में संपन्न होगी। प्रत्येक काउंटिंग टेबल पर तीन अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, जिनमें एक काउंटिंग सुपरवाइजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट तथा एक माइक्रो ऑब्जर्वर शामिल रहेगा। संपूर्ण मतगणना कार्य में लगभग 350 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर ने बताया कि मतगणना स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ प्रभावी बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। मीडिया प्रतिनिधियों की सुविधा के लिए मतगणना स्थल शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में ही आधुनिक सुविधाओं से युक्त मीडिया सेंटर भी स्थापित किया गया है, जहां से वे मतगणना की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

गुटबाजी खत्म किए बिना तमिलनाडु में कांग्रेस मजबूत नहीं होगी : राहुल गांधी

चेन्नई, 01 अगस्त (हि.स.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के लिए पार्टी के भीतर की गुटबाजी समाप्त करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जब तक नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर काम नहीं करेंगे, तब तक राज्य में कांग्रेस को अपेक्षित मजबूती नहीं मिल सकेगी। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्रों के प्रस्तावित परिसीमन का भी विरोध करते हुए कहा कि यह केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि राज्यों के अधिकारों और संघीय ढांचे से जुड़ा मुद्दा है। राहुल गांधी महाबलीपुरम स्थित तमिलनाडु पर्यटन विभाग के अतिथि गृह में 23 जुलाई से चल रहे तमिलनाडु कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर मजबूती, राजनीतिक रणनीति और आगामी चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस के अपेक्षाकृत कमजोर होने का प्रमुख कारण पार्टी के भीतर गुटबाजी है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समूहों में काम करने की प्रवृत्ति संगठन की सामूहिक शक्ति को कमजोर करती है। उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने जिला अध्यक्षों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन और जनता के बीच मजबूत कड़ी बनें तथा आम लोगों के मुद्दों को प्राथमिकता दें। उनका कहना था कि कांग्रेस तभी मजबूत होगी, जब कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करेंगे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का मुद्दा उठाया।

देवास में अगले पांच वर्षों में होगी आधुनिक खेती, खाद की कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई : शिवराज

- केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान की अध्यक्षता में हुई दिशा की बैठक

- कृषि आधुनिकीकरण और विकास योजनाओं की समीक्षा की

देवास, 01 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अगले पांच वर्षों में मध्य प्रदेश के देवास जिले में खेती के आधुनिकीकरण की दिशा में निर्णायक कार्य किया जाएगा। इसके तहत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (आत्मा) और कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) का और अधिक विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खाद की कालाबाजारी में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री चौहान शनिवार को देवास जिले के कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति 'दिशा' की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री चौहान ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास, आधुनिक खेती, जल संरक्षण और महिला सशक्तीकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि कृषि तकनीकों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 100 और जिले भर से 500 से अधिक किसानों को चिन्हित कर विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही, उन्नत मॉडल अपनाने के लिए किसानों को अन्य समृद्ध कृषि क्षेत्रों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें फूड प्रोसेसिंग और एकीकृत बागवानी विकास मिशन की योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोबा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

मुरैना में गौरव एवं उत्साह के साथ मनाया गया विश्व स्कार्फ दिवस, जौरा में बिगिनर्स कोर्स में 43 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने लिया प्रशिक्षण

मुरैना (निज संवाददाता)। भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश जिला संघ मुरैना के तत्वावधान में सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट), चंबल संभाग श्री वीर सिंह यादव एवं जिला सचिव श्री शेखर सिंह यादव के मार्गदर्शन में संभागीय शासकीय ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुरैना में विश्व स्कार्फ दिवस उत्साह, अनुशासन एवं गौरवमयी परंपराओं के साथ मनाया गया।

विश्व स्कार्फ दिवस का आयोजन विद्यालय की स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर इकाइयों द्वारा श्रीमती सारिका चतुर्वेदी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती लक्ष्मी जैन, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य स्टाफ ने सहभागिता करते हुए स्काउट-गाइड की सेवा, अनुशासन एवं भाईचारे की गौरवशाली परंपरा को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर विद्यालय की स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर इकाइयों के सदस्यों ने स्कार्फ धारण कर सेवा, सहयोग, अनुशासन, एकता, नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान स्काउटिंग की मूल भावना 'तैयार रहो' को आत्मसात करते हुए विद्यार्थियों ने समाज सेवा, सद्भाव, विश्व बंधुत्व एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

विश्व स्कार्फ दिवस के अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री वीर सिंह यादव ने संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण, ग्वालियर संभाग श्री चतुर्वेदी जी को स्कार्फ पहनाकर स्काउटिंग की गौरवशाली परंपरा का सम्मान किया। इस अवसर पर स्कार्फ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि स्कार्फ केवल स्काउट-गाइड गणवेश का एक अंग नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, समर्पण, एकता एवं विश्व बंधुत्व का प्रतीक है। यह विश्वभर के स्काउट-गाइड सदस्यों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करता है।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्री वीर सिंह यादव ने कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन विद्यार्थियों एवं युवाओं में चरित्र निर्माण, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। स्काउटिंग का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति संवेदनशील, जागरूक तथा जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है।

जिला सचिव श्री शेखर सिंह यादव ने कहा कि विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों के नियमित संचालन से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। स्काउटिंग बच्चों एवं युवाओं में आत्मविश्वास, समयपालन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, सेवा-भाव, सहयोग एवं राष्ट्रप्रेम जैसे गुणों का विकास करती है। उन्होंने विद्यालय स्तर पर स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर इकाइयों को अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया।

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती लक्ष्मी जैन ने विश्व स्कार्फ दिवस के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट-गाइड गतिविधियां विद्यार्थियों को व्यवहारिक जीवन के लिए तैयार करती हैं तथा उनमें सेवा, सहयोग एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्काउटिंग के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने एवं समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विश्व स्कार्फ दिवस के सफल आयोजन पर आरबीओ जिला अध्यक्ष डॉ. विवेक राठी, जिला मुख्य आयुक्त श्री गिर्राज सिंह यादव एवं भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश जिला संघ मुरैना के समस्त पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के आयोजकों, विद्यालय परिवार, स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं सहभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन स्काउट-गाइड आंदोलन की गौरवशाली परंपराओं को सशक्त बनाने के साथ युवाओं में सेवा एवं नेतृत्व की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।

इसी क्रम में भारत स्काउट एवं गाइड के अंतर्गत विकासखंड जौरा में स्काउटर-गाइडर हेतु बिगिनर्स कोर्स का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन श्री अतर सिंह राजपूत, एएलटी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में स्काउटिंग-गाइडिंग की मूल अवधारणाओं, संगठनात्मक संरचना, स्काउट-गाइड दलों के गठन एवं संचालन, प्रार्थना, प्रतिज्ञा, नियम, अनुशासन, प्रशिक्षण पद्धतियों तथा विद्यालय स्तर पर गतिविधियों के प्रभावी संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

बिगिनर्स कोर्स के सफल संचालन में श्रीराम त्यागी एवं श्री प्रमोद वर्मा का विशेष सहयोग रहा। प्रशिक्षण में विकासखंड जौरा के विभिन्न विद्यालयों से 38 शिक्षक एवं 5 शिक्षिकाएं, कुल 43 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विद्यालयों में स्काउट-गाइड इकाइयों के गठन, नियमित गतिविधियों के संचालन, विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता एवं सेवा-भाव विकसित करने तथा स्काउटिंग के मूल सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप से अपनाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताते हुए अपने-अपने विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित करने का संकल्प लिया।

विश्व स्कार्फ दिवस एवं बिगिनर्स कोर्स के सफल आयोजन से मुरैना जिले एवं चंबल संभाग में स्काउट-गाइड आंदोलन को नई ऊर्जा एवं गति मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई। कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, सहयोग, राष्ट्रप्रेम एवं विश्व बंधुत्व के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया।

आउटरीच गतिविधि के तहत आई सी टी सी जोरा द्वारा लोंहरी के पुरा में लगाया जागरूकता शिविर

गर्भवती महिलाओं सहित आमजन की कीगई एचआईवी की जांच

एच आई व्ही की जानकारी ही एड्स होने से बचा सकती है

मुरैना (निज संवाददाता)। आई सी टी सी सिविल हॉस्पिटल जोरा द्वारा विकास खण्ड पहडगढ़ के सरसैनी ग्राम पंचायत के लोंहरी के पुरा में आंगनवाड़ी भवन पर ग्राम वासियों को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आउटरीच गतिविधि के तहत एचआईवी एड्स जागरूकता एवं परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पंचम पुरा के सी एच ओ अजय शर्मा एवं आई सी टी सी जोरा के परामर्शदाता संदीप सेंगर, सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सरिता सिकरवार, प्रिया शर्मा, आशा कार्यकर्ता श्रीमती कमलेश सिकरवार एवं ग्रामवासी मौजूद थे, शिविर के दौरान परामर्शदाता संदीप सेंगर ने उपस्थित गर्भवती महिलाओं सहित आमजन को एचआईवी संक्रमण होने के चार कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें एचआईवी की जांच कराने हेतु प्रेरित किया एवं एच आई व्ही, एड्स सहित शिफलिस की जानकारी देते हुए कहा कि एचआईवी संक्रमण होने के कारणों की जानकारी ही एड्स जैसी गंभीर बीमारी होने से आमजन को बचा सकती है क्योंकि एचआईवी की जानकारी ही एड्स का बचाव है,हर गर्भवती महिला को अपने गर्भधारण के तीसरे माह के भीतर ही अपनी एचआईवी की जांच अवश्य करानी चाहिए इस अवसर पर सी एच ओ अजय शर्मा ने कहा कि आप सभी ग्राम वासियों को प्रेरित करें कि वह अपने घर परिवार एवं आस पड़ोस में गर्भवती महिलाओं को प्रति तीन माह के अंतराल पर आई सी टी सी केंद्र सिविल हॉस्पिटल जोरा के कमरा नंबर 12 पर जाकर एचआईवी, सिफलिश एवं हेपेटाइटिस बी, सी की जांचों के साथ साथ ए एन सी प्रोफाइल की अन्य जांचे नियमित करायें शिविर में लगभग 30 से अधिक लोगों की एच आई वी एवम् सिफीलिस की जांच की गई।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय कचनौधा में शिक्षक श्री मूल सिंह तोमर जी का भावभीना विदाई सम्मान समारोह आयोजित

मुरैना/अम्बाह (निज संवाददाता)। शासकीय माध्यमिक विद्यालय कचनौधा में सम्मानित शिक्षक श्री मूल सिंह तोमर जी के सेवानिवृत्त होने पर एक भव्य एवं भावभीना विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। श्री तोमर जी का शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य एवं अतुलनीय योगदान रहा है, जिसकी उपस्थिति में सभी ने सराहना की।

समारोह के शुभारंभ में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने श्री मूल सिंह तोमर जी को पुष्पमालाएं पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया और उनके सुखद व स्वस्थ भावी जीवन की कामना की।

वरिष्ठ अधिकारियों और अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस विदाई सम्मान समारोह में अनेक गणमान्य अतिथि एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से:

श्रीमती विनीता श्रीवास (संकुल प्राचार्य, कुथियाना)
श्री अशोक सिंह कुशवाह (प्राचार्य, शिकारी का पुरा)
श्री धर्मेंद्र सिंह तोमर (दिमनी)
श्री दिलीप सिंह तोमर
श्री नरोत्तम बाबू जी
श्री तारिक अली
श्री कप्तान सिंह प्रजापति
श्री रामदास करोरिया

कार्यक्रम में विद्यालय व संकुल के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और कर्मचारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सफल मंच संचालन

कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन श्री मनीष शर्मा जी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने ओजस्वी विचारों और पंक्तियों से समारोह में उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। अंत में सभी ने श्री तोमर जी को स्मृति चिह्न व उपहार भेंट कर ससम्मान विदाई दी।

एक पेड़ माँ के नाम संकल्प कार्यक्रम

मुरैना (निज संवाददाता)। आज दिनांक 1/8/2026 को 'एक पेड़ माँ के नाम' संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों, शिक्षिकाओं द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय मीरपुर में फलदार, औषधीय और खुशबू दार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा विद्यालय संचालक श्री उपेन्द्र यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की शिक्षिका समीम खान द्वारा विद्यार्थियों को पेड़ लगाने के महत्व के बारे में बताया गया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को न केवल पेड़ लगाने, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने समझाया कि पेड़ हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐ प्राण वायु देते हैं तथा वर्षा को आकर्षित करते हैं।

इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को पेड़ों के संरक्षण हेतु शपथ दिलाई और उन्होंने संकल्प लिया तथा एक एक रैली भी की गई यह कार्यक्रम सुजागृती समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा किया गया। संस्था अध्यक्ष जाकिर हुसैन के नेतृत्व में, कार्यक्रम में भागीदारी की गौरी कुलश्रेष्ठ , कमल कुशवाहा, प्रीति सिकरवार, प्रवीणा उपाध्याय, विनोद धाकड़ शिक्षक शिक्षिकाओं और बच्चों द्वारा।

MP सरकार ने कर्मचारियों/पेन्शनस का DA/DR रोका

मुरैना (निज संवाददाता)। प्रमुख पेंशनस एसोसिएशन के प्रान्तीय संयुक्त सचिव हरिओम पाराशर एवं सह-मंत्री विनोद कुमार दुबे द्वारा बताया गया कि राज्य के अखिल भारतीय सेवा, एवं केन्द्र के कर्मचारियों को जनवरी 2026 से 60% DA/DR दिया जा रहा है जबकि राज्य सरकार के कर्मचारियों एवं पेन्शनस को अभी भी 58% DA/DR दिया जा रहा है जबकि गैस एवं डीजल, पेट्रोल के दाम बढ़ जाने से महंगाई का सामना कर रहे हैं , राज्य कर्मचारी एवं पेन्शनस? सात माह व्यतीत हो जाने के बाद भी DA/DR से वंचित हैं ।

कर्मचारी एवं पेन्शनस संघों ने सरकार से 10 अगस्त 2026 तक जनवरी 2026 से DA/DR दिए जाने की मांग की गई है 7 प्रमुख पेन्शनसएसोसिएशन के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री श्याम जोशी जी के निर्देशानुसार पेन्शनस भी सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में 18 अगस्त 2026 को राज्य शासन को राजस्व अधिकारियों के माध्यम से अपनी मांगो के सम्बन्ध में ' प्रदर्शन कर ' ज्ञापन ' सोंपेगे।

महिला थाना पहुंचकर पुलिस अधीक्षक ने किया वार्षिक निरीक्षण

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

आमजन से संवेदनशील व्यवहार, फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निराकरण और अनुशासित कार्यप्रणाली पर दिया जोर

श्योपुर। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं, अभिलेखों, साफ-सफाई तथा पुलिस कार्यप्रणाली का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने महिला थाना स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि महिला थाना पीड़ित महिलाओं के लिए न्याय और विश्वास का केंद्र है। इसलिए प्रत्येक पुलिसकर्मी आमजन एवं फरियादियों के साथ संवेदनशील, विनम्र और सम्मानजनक व्यवहार करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि थाने में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ितों का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत हो।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना रिकॉर्ड, अपराध पंजी, अभिलेखों के संधारण तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही थाना परिसर की साफ-सफाई, रखरखाव एवं अनुशासन का भी निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाएं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याएं भी सुनीं। इस दौरान मेडिकल बिल, यात्रा भत्ता (ञ्ञ), मकान किराया भत्ता (॥क्र) सहित अन्य लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की समस्याओं का समय पर समाधान होने से उनका मनोबल बढ़ता है और वे अधिक समर्पण एवं दक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर पाते हैं।

पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिसकर्मियों से ईमानदारी, अनुशासन और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनता को त्वरित राहत उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने महिला सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में विशेष सतर्कता बरतने तथा प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण: एसडीएम गगन सिंह मीणा ने स्वास्थ्य सेवाओं की परखी हकीकत

वार्डों से लेकर आईसीयू, लैब और जन औषधि केंद्र तक किया निरीक्षण, साफ-सफाई व मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने के दिए निर्देश

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशों के क्रम में शनिवार को एसडीएम सिंह मीणा ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार व्यवस्था और अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. एस.एन. बिंदल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एन. सक्सेना, आरएमओ डॉ. गजेंद्र सिंह धाकड़ सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने सबसे पहले जनरल ओपीडी का अवलोकन कर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने अस्पताल परिसर का भ्रमण करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर को हर समय स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि अस्पताल का वातावरण साफ-सुथरा और संक्रमणमुक्त बना रहे।

एसडीएम ने जनरल वार्ड, आईसीयू, पीडियाट्रिक आईसीयू (क्व्रुष्ट), एसएनसीयू (स्ह्रष्ट), मातृत्व वार्ड, बर्न यूनिट, सेंट्रल मेडिकल लैब, औषधि भंडार तथा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाने वाली दवाइयों की व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसडीएम गगन सिंह मीणा ने कहा कि जिला अस्पताल आमजन की स्वास्थ्य सेवा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए यहां उपचार, स्वच्छता, दवा वितरण और मरीजों की सुविधा से जुड़े प्रत्येक पहलू पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि लोगों को बेहतर और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

कराहल थाने का वार्षिक निरीक्षण: लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण पर जोर, पुलिस अधीक्षक ने दिए सख्त निर्देश

रिकॉर्ड रूम, मालखाना और स्वच्छता व्यवस्था का लिया जायजा, आमजन से संवेदनशील व्यवहार रखने हिदायत

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने कराहल थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए लंबित अपराधों, मर्ग जांचों एवं शिकायतों की समीक्षा की और सभी प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और निष्पक्ष निराकरण पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। थाने में आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ सम्मानजनक एवं संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा उसकी समस्या का यथासंभव तत्काल समाधान किया जाए, ताकि आमजन का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की स्वच्छता, रिकॉर्ड रूम, मालखाना, दस्तावेजों के रखरखाव एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं का भी गहन निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखने, जब्त माल की सुरक्षित देखरेख तथा कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने लंबित अपराधों, मर्ग जांचों और शिकायतों की समीक्षा करते हुए विवेचना अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों से संवाद करते हुए उन्होंने उनकी विभागीय समस्याओं की भी जानकारी ली। यात्रा भत्ता (ज्ञ), मेडिकल बिल, हाउस रेंट अलाउंस (।ह्न) सहित अन्य लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि पुलिसकर्मी बिना किसी प्रशासनिक परेशानी के पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

उन्होंने कहा कि बेहतर पुलिसिंग का उद्देश्य केवल अपराधों पर अंकुश लगाना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को त्वरित राहत, न्याय और सुरक्षा का भरोसा दिलाना भी है। नियमित निरीक्षण, जवाबदेही और जनसंवाद के माध्यम से पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

श्योपुर के युवा श्रीयांस गर्ग ने शिक्षा सुधार का 'GIPEF मॉडल' केंद्र सरकार को भेजा

प्रैक्टिकल शिक्षा, AI आधारित बहुभाषी शिक्षण और बालिका आत्मरक्षा को राष्ट्रीय नीति में शामिल करने का सुझाव

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर निवासी युवा श्रीयांस गर्ग ने देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक और दीर्घकालिक सुधार के उद्देश्य से 'GIPEF मॉडल (Global Practical, Multilingual Digital × Girls Protection Education Framework)' नामक एक विशेष नीतिगत प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय को भेजा है। यह प्रस्ताव केंद्र सरकार के CPGRAMS पोर्टल पर Registration No. DOSEL/E/2026/0011187 के साथ आधिकारिक रूप से दर्ज हो चुका है तथा वर्तमान में समीक्षाधीन है। श्रीयांस गर्ग ने बताया कि इस प्रस्ताव की प्रतियां शिक्षा मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), NCERT, CBSE, मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय तथा जिला कलेक्टर श्योपुर को भी प्रेषित की गई हैं, ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यवहारिक एवं आधुनिक सुधारों पर गंभीरता से विचार किया जा सके।

उन्होंने बताया कि GIPEF मॉडल का उद्देश्य शिक्षा को केवल परीक्षा-केंद्रित न रखकर उसे कौशल, नवाचार और व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ना है। प्रस्ताव में सुझाव दिया गया है कि कक्षा 6 से आगे विद्यार्थियों के कुल मूल्यांकन का 50 प्रतिशत हिस्सा प्रैक्टिकल कार्य, तार्किक क्षमता (लॉजिक) और प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों पर आधारित किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, समस्या समाधान क्षमता और रोजगारोन्मुख कौशल विकसित हो सकें।

प्रस्ताव में छात्राओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए सभी विद्यालयों में जूडो-कराटे, आत्मरक्षा प्रशिक्षण तथा नियमित फिटनेस सत्र अनिवार्य रूप से संचालित करने का सुझाव भी दिया गया है। इसके साथ ही शिक्षा में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित बहुभाषी डिजिटल शिक्षा प्रणाली विकसित करने तथा विद्यार्थियों को उनकी क्षेत्रीय भाषा में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने का सुझाव रखा गया है। शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर पारदर्शी समीक्षा एवं निगरानी तंत्र स्थापित करने की भी अनुशंसा की गई है। श्रीयांस गर्ग का कहना है कि यदि इस मॉडल के प्रमुख सुझावों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाता है, तो देश की शिक्षा व्यवस्था अधिक व्यावहारिक, आधुनिक, सुरक्षित, तकनीक-सक्षम और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बन सकेगी।

उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तर के शिक्षा सुधार प्रयास के संबंध में छक्कन्न्रूस् रसीद एवं संबंधित दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं तथा उन्होंने समाचार माध्यमों से इस पहल को प्रमुखता से प्रकाशित कर जनचर्चा का विषय बनाने की अपील की है।

पति की हत्या का आरोप, न्याय के लिए एसपी दफ्तर पहुंची रोती-बिलखती पत्नी

हत्यारों को नामजद कर सख्त कार्रवाई की मांग; पुलिस पर निष्पक्ष जांच न करने का आरोप....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। थाना बैराड़ क्षेत्र के ग्राम सुमेढ़ में 30 वर्षीय युवक अर्जुन आदिवासी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक की पत्नी सोनिया आदिवासी (25 वर्ष) ने अपने ही मामा पक्ष के लोगों पर पति की बेरहमी से हत्या करने का संगीन आरोप लगाया है। शनिवार को पीड़िता अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय शिवपुरी पहुंची और निष्पक्ष जांच तथा आरोपियों की गिरफ्तारी की गुहार लगाई।

जान से मारने की धमकी देकर की गई हत्या

एसपी महोदय को सौंपे गए शिकायती पत्र में पीड़िता सोनिया आदिवासी ने बताया कि गत 29 जुलाई 2026 की देर रात लगभग 1:30 बजे उसके पति अर्जुन आदिवासी को सोचे-समझे षड्यंत्र के तहत ले जाया गया और बिना किसी विवाद के उनकी हत्या कर दी गई। आरोप है कि आरोपियों ने परिजनों को मुंह बंद रखने की धमकी देते हुए कहा कि 'यदि कहीं शिकायत करने गए तो जान से मार दूंगा, अभी मेरी छाती ठंडी नहीं हुई है।'

मर्ग कायम कर टालमटोल का आरोप

पीड़िता का आरोप है कि पति के शव को 'दीपू' नाम का व्यक्ति घर लेकर आया था, जिसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पीड़िता के अनुसार पुलिस ने मामले में धारा 194 बीएनएसएस (यू.डी. नंबर 0023/2026) के तहत केवल मर्ग कायम किया है और नामजद रिपोर्ट दर्ज नहीं की। परिजनों को 'अप्राकृतिक मृत्यु' बताकर थाने से लौटा दिया गया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ : मृतक अर्जुन आदिवासी मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके असमय निधन से परिवार का सहारा छीन गया है। वह अपने पीछे दो मासूम बच्चियां, पत्नी तथा बुजुर्ग मां को छोड़ गया है। घटना के दौरान आरोपियों की मारपीट में मृतक की मां का हाथ भी फ्रैक्चर हो गया है। पीड़िता का कहना है कि गांव का कोई भी व्यक्ति डर के मारे उनके बचाव में आगे नहीं आया।

निष्पक्ष जांच और न्याय की गुहार

पीड़िता सोनिया आदिवासी ने बृजेश, गोपेश, मुकेश, जसरथ, गीता, भारती और श्रीवती (सभी जाति आदिवासी) के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़िता का कहना है कि शेष आरोपी अभी भी खुले घूम रहे हैं और लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन से मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर पीड़ित परिवार को न्याय व सुरक्षा दिलाई जाए।

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ में धूमधाम से मनाया गया पत्रकार छोटू मीणा का जन्मदिन

पत्रकार साथियों ने पुष्पमालाओं और मिठाई के साथ दी शुभकामनाएं, संगठन ने भाईचारे और एकजुटता का दिया संदेश

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा सुख-दुख में सदैव साथ खड़े रहने वाले प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ ने शनिवार को संगठन से जुड़े एमपी न्यूज के पत्रकार छोटू मीणा का जन्मदिन आत्मीय एवं पारिवारिक माहौल में हर्षोल्लास के साथ मनाया।

जिला अस्पताल के गेट नंबर-2, शिवपुरी रोड स्थित प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ कार्यालय में आयोजित जन्मदिवस कार्यक्रम में संगठन से जुड़े पत्रकार साथियों ने छोटू मीणा का पुष्पमालाओं से स्वागत किया, मिठाई खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ केवल मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों में भी पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। संगठन हर परिस्थिति में पत्रकार साथियों के साथ खड़ा रहता है और उनकी सामाजिक, व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत आवश्यकताओं में सहयोग करना अपना दायित्व मानता है।

संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि संघ द्वारा अपने सभी पत्रकार साथियों का जन्मदिन मनाने की परंपरा इसलिए शुरू की गई है, ताकि प्रत्येक सदस्य स्वयं को संगठन का अभिन्न हिस्सा महसूस करे। इससे संगठन में पारिवारिक वातावरण, आत्मीयता, आपसी भाईचारा, प्रेम और एकजुटता की भावना और अधिक मजबूत होती है। कार्यक्रम के दौरान सभी पत्रकार साथियों ने छोटू मीणा को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, दीर्घायु एवं सफल पत्रकारिता जीवन की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और पत्रकारों ने संगठन की एकता एवं मजबूती को बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

3.5 लाख रुपये मजदूरी के लिए भटके 22 मजदूर, एसपी कार्यालय में न्याय की गुहार; कलेक्टर घेराव और भूख हड़ताल की चेतावनी

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी मजदूरी का पैसा मांगने पर मिली गालियाँ, चोरी-डकैती के झूठे केस में फंसाने की धमकी और पुलिस से शिकायत की तो उल्टा दबाव बनाकर शिकायत वापस करवाने का मामला सामने आया है। जिला शिवपुरी और आसपास के ग्रामीण इलाकों के 22 मजदूरों ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक (स्क्) कार्यालय शिवपुरी पहुँचकर शिकायती आवेदन सौंपा है। मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि 1 अगस्त 2026 तक उनकी खून-पसीने की मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ, तो वे कलेक्ट्रेट के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और घेराव करेंगे।

15-15 घंटे काम करवाया, फिर पैसे देने से किया इनकार : एसपी कार्यालय में सौंपे गए पत्र के अनुसार, ग्राम खजूरी, गणेशखेड़ा, बरोदा, आमोल पठा, विजयपुर आदि गाँवों के 22 मजदूरों ने ठेकेदार महेश कुशवाह (निवासी गणेशपुरा, मुरैना) और अरविंद सिंह जादौन के माध्यम से ग्वालियर बायपास स्थित ललित गोयल के मकान/बिल्डिंग पर कार्य किया था।

मजदूरों का आरोप है कि उन्होंने 11 मई 2026 से 8 जून 2026 तक रोजाना 15-15 घंटे दिन-रात मेहनत करके 12,000 वर्ग फुट टाईल्स, 2,000 वर्ग फुट बजरी तीसरी मंजिल पर चढ़ाने और 500 बॉक्स टाईल्स लगाने का काम पूरा किया। इस पूरे काम का कुल 3.50 लाख रुपये (रू3,50,000) का भुगतान बकाया है।

अभद्र व्यवहार, झूठे केस में फंसाने की धमकी : मजदूरों का कहना है कि काम पूरा होने के बाद जब उन्होंने अपने पैसे मांगे तो मकान मालिक ललित गोयल ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की और उन्हें वहाँ से भगा दिया। जब मजदूरों ने अपने हक के पैसे मांगे तो उन्हें चोरी और डकैती के झूठे मुकदमे दर्ज करवाकर जेल भिजवाने की धमकी दी गई। इसके बाद ठेकेदारों ने भी अपने फोन बंद कर लिए।

'CM हेल्पलाइन बंद करने के लिए पुलिस ने बनाया दबाव'

पीड़ित मजदूरों का आरोप है कि उन्होंने 13 जून 2026 को नजदीकी थाना कोतवाली में शिकायत दी थी और सीएम हेल्पलाइन पर भी अपनी शिकायत (शिकायत क्र. 38918503) दर्ज कराई थी। लेकिन पुलिस ने मामले में कार्रवाई करने के बजाय उन पर ही दबाव बनाया और सीएम हेल्पलाइन की शिकायत बंद करवा दी।

1 अगस्त से कलेक्ट्रेट घेरने की चेतावनी

आवेदक मजदूरों–छोटू कुशवाह, रामेश्वर, दीपू, सोनू, कप्तान, भगवानसिंह, सतीश, गोलू, सुगरसिंह, रामदीन सहित 22 मजदूरों ने कहा कि 'जब तक हमारी खून-पसीने की मजदूरी नहीं मिल जाती, हम शांत नहीं बैठेंगे।' मजदूरों ने एसपी से सख्त दंडात्मक कार्रवाई और बकाया मजदूरी दिलाने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी है कि 31 जुलाई / 1 अगस्त 2026 से वे कलेक्ट्रेट शिवपुरी के बाहर भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होंगे।

थाना देहात पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही करते हुये 100 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ आरोपी जयपाल सिंह को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भुटिया द्वारा सम्पूर्ण जिले में अभियान चला कर अवैध शराब, हथियार एवं अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक विकास यादव व उनकी टीम के द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये दिनांक 31.07.26 को सक्रिय मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त होने पर तत्काल दबिस देकर गरिमा पैट्रोल पंप के पीछे पुराने खंडर के पास फोरलाइन शिवपुरी से आरोपी जयपाल सिंह पुत्र रेशम सिंह ढिल्लन (सरदार) उम्र 27 साल निवासी ग्राम सतेरिया थाना देहात जिला शिवपुरी को दो प्लास्टिक की कट्टियों में 50-50 लीटर कुल 100 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची अवैध शराब जिसकी कीमत करीबन 20,000 रुपये के साथ पकडकर आरोपी के कब्जे से उक्त शराब को जप्त कर आरोपी को मौके पर गिरफ्तार किया गया आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 284/26 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का कामय कर विवेचना मे लिया गया।

सराहनीय भूमिका - निरीक्षक विकास यादव थाना प्रभारी देहात शिवपुरी, प्रधान आरक्षक दीपचन्द्र, प्रधान आरक्षक देवेन्द्र सेन, प्रधान आरक्षक बलवीर सिंह, प्रधान आरक्षक सचेन्द्र शर्मा, प्रधान आरक्षक शकील खान, आरक्षक अरुण मेवाफरोस, आरक्षक, आरक्षक संजय धाकड, आरक्षक गजेन्द्र, आरक्षक शिवराज हिण्डोलिया, आरक्षक रिन्कू शाक्य थाना देहात जिला शिवपुरी की मुख्य भूमिका रही।

थाना सिरसौद पुलिस द्वारा दो अलग-अलग प्रकारणों 237/19 तथा 194/20 में दो साल से फरार चल रहे स्थाई वारन्टी शम्भू उर्फ शिम्भू रावत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया।

शिवपुरी (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमति यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में वारंटियों के खिलाफ गिरफ्तारी कार्रवाई करते हुए अधिक से अधिक वारंट तामिल कराने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन में स्थाई वारंट तामीली हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर. डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पोहरी श्री आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना सिरसौद पुलिस द्वारा क्रमशः प्र.क्र. 237/19 तथा 194/20 के स्थाई वारन्टी शम्भू उर्फ शिम्भू रावत पुत्र उत्तम रावत उम्र 40 साल निवासी ग्राम झूड थाना सिरसौद को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय शिवपुरी पेश किया गया है। जहां से आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में उनि. धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर थाना प्रभारी सिरसौद, उनि. जगदीश भिलाला, प्रआर. 798 सत्यवीर सिंह जादौन, प्रआर. 351 बलवंत पाल, आर. 418 शत्रुघन यादव, आर. 430 प्रांशू जादौन, आर.चा. 917 रमेश सिंह की अहम भूमिका रही।

शिवपुरी में युवाओं की रगों में घुल रहा है 'मैला जहर': लुधावली-फतेहपुर में खुलेआम चल रहा स्मैक का कारोबार, पुलिस के दावों पर भारी पड़ रही हकीकत

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी शहर में नशे का काला कारोबार अब युवाओं की जिंदगी को दीमक की तरह चाट रहा है। शहर के लुधावली और फतेहपुर जैसे रिहायशी इलाकों से सामने आए कुछ वायरल वीडियो ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। इन वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे बेखौफ युवा खुलेआम स्मैक का सेवन कर रहे हैं और उसका धंधा चला रहे हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि अब केवल स्मैक ही नहीं, बल्कि नसों में नशा उतारने के लिए इस्तेमाल होने वाली सिरिंज भी स्थानीय दुकानों और इलाकों में आसानी से उपलब्ध हैं।

इस गंभीर स्थिति को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी गुस्सा और दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि युवा पीढ़ी नशे की दलदल में पूरी तरह धंस चुकी है, लेकिन जिम्मेदार प्रशासन इस पर लगाम कसने में नाकाम साबित हो रहा है।

दूसरी ओर, पुलिस महकमा इस मामले में लगातार कार्रवाई के दावे कर रहा है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए आज शनिवार की दोपहर 2 बजे एडिशनल एसपी आर.डी. प्रजापति ने बताया कि स्मैक तस्करों और पैडलरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। हाल ही में पुलिस ने 15 दिन का एक विशेष अभियान चलाकर न केवल ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां कीं, बल्कि जनजागरूकता के जरिए भी लोगों को जोड़ने का काम किया।

हालांकि, पुलिस के इन दावों के उलट जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि पुलिस की कार्रवाई सिर्फ छोटे-मोटे पैडलरों और नशेड़ियों तक ही सिमट कर रह जाती है। इस काले कारोबार के जो असली और बड़े सरगना हैं, उन तक खाकी के हाथ नहीं पहुंच पा रहे हैं। यही वजह है कि तमाम पुलिसिया दावों के बावजूद शिवपुरी की गलियों में स्मैक का नेटवर्क आज भी पूरी ताकत और बेखौफ अंदाज में सक्रिय बना हुआ है।

संपादकीय

भारतीय वस्त्र उद्योग : परंपरा, पर्यावरण और टिकाऊ भविष्य की चुनौती

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

कृत्रिम तंतुओं, रासायनिक प्रदूषण और बढ़ते वस्त्र अपशिष्ट के कारण उत्पन्न पर्यावरणीय संकट के बीच भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। एक ओर उसकी हजारों वर्षों पुरानी समृद्ध वस्त्र परंपरा, हस्तशिल्प और प्राकृतिक तंतुओं की विरासत है, तो दूसरी ओर सस्ते, त्वरित और उपभोक्तावादी फास्ट फैशन का बढ़ता आकर्षण। प्रश्न केवल कपड़ों का नहीं है, बल्कि पर्यावरण, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और करोड़ों लोगों की आजीविका का भी है। आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारंपरिक विरासत को संरक्षित रखते हुए नवाचार और टिकाऊ विकास का मार्ग अपनाए।

भारत की समृद्ध वस्त्र परंपरा

भारतीय वस्त्र उद्योग विश्व के सबसे प्राचीन उद्योगों में से एक है। इसकी उत्पत्ति सिंधु घाटी सभ्यता से मानी जाती है, जहाँ कपास की खेती, सूत कातने और बुनाई के प्रमाण मिलते हैं। मौर्य काल में संगठित प्रशासन के कारण वस्त्र उत्पादन और व्यापार का व्यापक विस्तार हुआ। कपास के साथ-साथ रेशम, लिनन और ऊनी वस्त्रों का उत्पादन भी बढ़ा तथा मध्य एशिया, फारस, मिस्र और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों तक इनका निर्यात होने लगा।

गुप्तकाल में भारतीय वस्त्र कला ने नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कीं। गुजरात, राजस्थान, बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और कश्मीर जैसे क्षेत्रों ने अपनी विशिष्ट बुनाई, रंगाई और कढ़ाई की परंपराएँ विकसित कीं। ब्लॉक प्रिंटिंग, इकत, बंधनी, ब्रोकेड और महीन रेशमी वस्त्रों ने विश्व बाजार में भारत की अलग पहचान बनाई।

मुगल काल भारतीय वस्त्र उद्योग का स्वर्ण युग माना जाता है। ढाका की मलमल, बनारस का ब्रोकेड, कश्मीर की पश्मीना, सूरत और अहमदाबाद के रेशमी वस्त्र तथा जामदानी जैसी उत्कृष्ट बुनाइयाँ विश्वभर में प्रसिद्ध हुईं। जरी, सोने-चाँदी के धागों की कढ़ाई, पुष्प अलंकरण और जटिल बुनाई तकनीकों ने भारतीय वस्त्रों को वैश्विक प्रतिष्ठा दिलाई।

यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों के आगमन से भारतीय वस्त्रों की वैश्विक मांग और बढ़ी, लेकिन ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने इस उद्योग की दिशा बदल दी। भारत, जो कभी तैयार वस्त्रों का प्रमुख निर्यातक था, धीरे-धीरे ब्रिटिश उद्योगों के लिए कच्चे कपास का आपूर्तिकर्ता बनकर रह गया। इससे देश के पारंपरिक बुनकरों और हस्तशिल्प उद्योग को गहरा आघात पहुँचा।

स्वदेशी आंदोलन और आत्मनिर्भरता

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वस्त्र राष्ट्रवाद और आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन गए। स्वदेशी आंदोलन ने विदेशी कपड़ों के बहिष्कार और भारतीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया। महात्मा गांधी ने चरखे और खादी को राष्ट्रीय स्वाभिमान तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनाया। स्वतंत्रता के बाद सरकार ने वस्त्र उद्योग के आधुनिकीकरण तथा हथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्रों के संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ लागू कीं।

1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद वैश्विक ब्रांड, संगठित खुदरा व्यापार और ई-कॉमर्स के विस्तार ने भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद को तेजी से बदल दिया। उत्पादन चक्र छोटे होते गए और फास्ट फैशन मॉडल का विस्तार हुआ। इससे कपड़ों का उत्पादन और उपभोग दोनों तेजी से बढ़े, लेकिन इसके साथ वस्त्र अपशिष्ट, जल उपयोग, ऊर्जा खपत और प्रदूषण भी बढ़ गया।

आज पॉलिएस्टर, नायलॉन और एक्रिलिक जैसे सिंथेटिक तंतु बाजार पर हावी हैं। ये सस्ते और टिकाऊ अवश्य हैं, लेकिन पेट्रोलियम आधारित होने के कारण जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं तथा इनके उत्पादन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है। प्राकृतिक तंतुओं के विपरीत ये जैविक रूप से नष्ट नहीं होते और सैकड़ों वर्षों तक पर्यावरण में बने रहते हैं।

सिंथेटिक वस्त्रों की धुलाई के दौरान निकलने वाले सूक्ष्म प्लास्टिक कण नदियों, झीलों और महासागरों में पहुँचकर जलीय जीवों और अंततः मानव खाद्य श्रृंखला को प्रभावित कर रहे हैं।

वस्त्र उद्योग वैश्विक जल प्रदूषण का लगभग 20 प्रतिशत तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा उत्पन्न करता है। यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो वर्ष 2030 तक इन उत्सर्जनों में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने की आशंका है।

भारत में वस्त्र उद्योग प्रतिवर्ष लगभग 7,793 किलोटन वस्त्र अपशिष्ट उत्पन्न करता है, जिसमें लगभग 3,944 किलोटन उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग किए गए कपड़ों का अपशिष्ट होता है। पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के बावजूद लगभग 34 प्रतिशत वस्त्र अपशिष्ट लैंडफिल में पहुँच जाता है।

वस्त्रों की रंगाई, छपाई, विरंजन और परिष्करण में प्रयुक्त अनेक रसायन कैंसरकारी माने जाते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने वाले श्रमिकों में श्वसन रोग, त्वचा विकार, एलर्जी और कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। कई औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट जल के अपर्याप्त उपचार के कारण नदियाँ, भूजल और मिट्टी भी प्रदूषित हो रही हैं।

वस्त्र उद्योग विश्व के सबसे अधिक जल उपयोग करने वाले उद्योगों में से एक है। एक सूती टी-शर्ट बनाने में लगभग 2,700 लीटर तथा एक सूती जींस के निर्माण में 9,000 से 10,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। कपास की खेती में प्रति किलोग्राम रेशा उत्पादन के लिए लगभग 25,000 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि रंगाई और परिष्करण में प्रति किलोग्राम कपड़े के लिए अतिरिक्त 125 से 150 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है।

भारत में लगभग 95 प्रतिशत कपास अब बीटी कपास है। इससे उत्पादन बढ़ा है, लेकिन कीट प्रतिरोध, रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता, जैव विविधता में कमी तथा छोटे किसानों की आर्थिक असुरक्षा जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं।

इन चुनौतियों का समाधान केवल उत्पादन बढ़ाने में नहीं, बल्कि उत्पादन और उपभोग दोनों के तरीके बदलने में है। संसाधन-कुशल उत्पादन, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) के सिद्धांतों को अपनाना समय की आवश्यकता है।

उपभोक्ताओं को आवश्यकता आधारित खरीदारी, टिकाऊ वस्त्रों के उपयोग, कपड़ों की मरम्मत, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के लिए प्रेरित करना होगा। उद्योगों को प्राकृतिक तंतुओं, पर्यावरण-अनुकूल रंगों, जल संरक्षण तकनीकों और स्वच्छ उत्पादन प्रक्रियाओं को अपनाना चाहिए। साथ ही, सरकार को कठोर पर्यावरणीय मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना होगा।

–हथकरघा, खादी, रेशम, इकत, बंधनी, जामदानी और पश्मीना–का संरक्षण केवल सांस्कृतिक दायित्व नहीं, बल्कि टिकाऊ विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ग्रामीण रोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण तीनों को लाभ मिलेगा।

भारत के सामने चुनौती केवल फैशन उद्योग के विस्तार की नहीं, बल्कि उसके स्वरूप को निर्धारित करने की है। यदि विकास केवल सस्ते और त्वरित उपभोग पर आधारित होगा, तो पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों और पारंपरिक आजीविकाओं को अपूरणीय क्षति पहुँचेगी। लेकिन यदि नवाचार, स्थिरता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को समान महत्व दिया गया, तो भारत विश्व के सामने टिकाऊ वस्त्र अर्थव्यवस्था का आदर्श प्रस्तुत कर सकता है।

आज आवश्यकता ऐसे वस्त्र उद्योग की है जो केवल आर्थिक समृद्धि का माध्यम न बने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक गौरव का भी वाहक बने। भविष्य का फैशन तभी सार्थक होगा, जब वह प्रकृति, परंपरा और प्रगति–तीनों के बीच संतुलन स्थापित करेगा।

परिवार में महिलाओं को भी अपने सपने पूरे करने के पर्याप्त अवसर मिलें

कृष्णमोहन झा

विगत दिनों विश्व मांगल्य सभा के तत्वावधान में आयोजित ' युगानुकूल मातृत्व ' कार्यक्रम के समापन सत्र में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो सारगर्भित व्याख्यान दिया वह पूरी तरह मातृत्व विमर्श पर केंद्रित था। संघ प्रमुख ने अपने व्याख्यान में इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया कि आदिकाल से मातृत्व ही सृष्टि का आधार रहा है और मातृत्व के बिना सृष्टि का सृजन,संवर्धन और पोषण संभव नहीं है।मनुष्य की प्रथम गुरु माता होती है जो संस्कारित करने के साथ ही उसके विचारों को सही दिशा प्रदान करती है। माता जीवन भर उसे भावनात्मक संबल भी प्रदान करती है। मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय परंपरा में मातृत्व और परिवार लंबे समय से चिंतन का विषय रहा है ।स्वामी विवेकानंद, महात्मा गाँधी और रवींद्र नाथ टैगोर ने इस विषय पर महत्वपूर्ण विचार रखे हैं।

संघ प्रमुख ने आगे कहा कि परिवार में समय देना और संवाद बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान करना माता पिता का दायित्व है इसलिए उन्हें निरंतर अपना स्वयं का ज्ञान भी बढाते रहना चाहिए। माता पिता को बच्चों के सामने खुद आदर्श आचरण प्रस्तुत करना होगा क्यों बच्चों में बड़ों का अनुकरण करने की प्रवृत्ति होती है।

भागवत ने कहा कि समाज में अनेक विमर्श भ्रम के कारण चलते हैं। भारतीय संस्कृति के बारे में यह भ्रम फैलाया गया कि हमारी परंपराएं गलत हैं जबकि वास्तविकता यह है कि हमारा सांस्कृतिक आधार अत्यंत प्रबल और प्रत्यक्ष है। भागवत ने कहा कि हमें अपने इतिहास, ज्ञान और परंपराओं पर विश्वास रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

संघ प्रमुख ने विविधता में एकात्म भाव को भारतीय संस्कृति का मूल संदेश बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत में रहते हुए भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप जीवन जीना चाहिए। भागवत ने अपने भाषण में अन्य देशों के जीवन मूल्यों का अंधानुकरण करने के बजाय भारतीय दृष्टिकोण के आधार पर समाज और परिवार व्यवस्था को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

गौरतलब है कि संघ प्रमुख भागवत मोहन भागवत अपने व्याख्यानों में हमेशा ही राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए इस बात पर विशेष जोर देते हैं कि राष्ट्र की उन्नति के लिए महिला सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है।विगत दिनों नई दिल्ली में विश्व मांगल्य सभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम 'युगानुकूल मातृत्व' के समापन समारोह में दिए गए अपने उदबोधन में उन्होंने अपने इसी मंतव्य को दोहराते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए पुरुषों में भी जागरूकता लाना आवश्यक है और इसकी शुरुआत परिवार से होना चाहिए।भागवत ने कहा कि केवल इसलिए कि महिलाएं सक्षम हैं ,उन पर परिवार की सारी जिम्मेदारी नहीं डाली जाना चाहिए बल्कि परिवार को एक टीम की तरह काम करना चाहिए जिसमें परिवार के हर सदस्य की जिम्मेदारी तय होना चाहिए।

भागवत ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए आगे कहा कि परिवार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिवार की जिम्मेदारियों के निर्वहन करते महिलाओं को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने का पर्याप्त अवसर मिले।परिवार को स्वयं से यह पूछना चाहिए वह महिलाओं को ऐसे कौन से अवसर प्रदान कर सकता है जिसमें वह अपने सपनों को साकार कर सके यह तभी संभव हो सकता है इसके परिवार के सभी सदस्यों की प्राथमिकताएं तय होना चाहिए ।

संघ प्रमुख का कहना था कि व्यक्ति को शांति और संतोष की अनुभूति तभी हो सकती है जब उसे अपनी पसंद का कार्य करने का अवसर मिले। संघ प्रमुख ने समाज में ऐसा वातावरण बनाने का आह्वान किया जिसमें महिलाओं वह सम्मान और सहयोग जिसकी वे हकदार हैं। भागवत ने कहा जिस तरह पहले के समय में घर की वित्तीय व्यवस्था और महत्वपूर्ण फैसलों में महिलाओं की भूमिका प्रमुख होती थी और परिवार आपसी सलाह मशवरा से चलते थे वही साझेदारी की भावना विकसित करने की आज आवश्यकता है।

विश्व मांगल्य सभा के एक अन्य कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि कहा कि विवाह जीवन में अनुशासन लाता है और धर्म व जिम्मेदारी का भाव पैदा करता है। इसके विपरीत लिव इन रिलेशनशिप में लोग जिम्मेदारी से बचकर केवल सुख चाहते हैं। जब तक मन करे, साथ रहो और जब मन न करे अलग हो जाओ। इसमें कोई जिम्मेदारी नहीं होती भागवत ने लिव इन रिलेशनशिप के परिणाम सारी दुनिया देख रही है। आधुनिकता का विरोध नहीं किया जा सकता लेकिन परंपराओं को पूरी तरह छोड़ देना भी उचित नहीं है।भागवत ने कहा इस बात पर जोर दिया कि समय के साथ बदलाव जरूरी है लेकिन वह परिवार और समाज को मजबूत करने वाला होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मातृ शक्ति के सशक्तिकरण, परिवार व सामाजिक जागरण के लिए समर्पित संगठन विश्व मांगल्य सभा की स्थापना 2010 में स्वामी जितेंद्र नाथ महाराज ने की थी। यह संगठन आज देश के प्रांतों में सामाजिक सांस्कृतिक एवं वैचारिक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन के लिए अपनी गतिविधियां संचालित कर रहा है

सावन विशेष : भगवान शिव का अद्भुत स्वरूप और उसमें छिपा जीवन-दर्शन

-उदय कुमार सिंह

'गले सर्पों का हार है, वस्त्र व्याघ्र की खाल है।त्रिशूल-डमरूधारी, बाबा भोले भंडारी की महिमा अपरंपार है। '

मानव जीवन के समस्त पापों, कष्टों और संतापों का शमन करने वाला पावन सावन मास आरंभ हो चुका है। देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ रही है। हर ओर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष गूंज रहे हैं। शिवभक्त भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि, आरोग्य और मोक्ष का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना कर रहे हैं।

सावन का महीना केवल जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-उपवास तक सीमित नहीं है। यह आत्मशुद्धि, संयम, तप और शिवत्व को अपने जीवन में उतारने का भी अवसर है। इस पूरे महीने आप भी किसी न किसी शिवालय में जाकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं लेकिन क्या आपने कभी यह जानने का प्रयास किया है कि भगवान शिव का स्वरूप ऐसा क्यों है? उन्होंने अपने शरीर पर जो कुछ धारण किया है, उसका क्या महत्व है? क्या यह केवल पौराणिक अलंकरण है या फिर हर प्रतीक के पीछे कोई गहन आध्यात्मिक संदेश छिपा है?

वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप जितना अलौकिक दिखाई देता है, उतना ही गूढ़ और दार्शनिक भी है। उनकी विशाल जटाओं से लेकर मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा, तीसरे नेत्र, नीलकंठ, गले में लिपटे सर्प, मुंडमाला, त्रिशूल, डमरू, व्याघ्रचर्म, भस्म और नंदी इन सभी का अपना विशिष्ट महत्व है। शिव का प्रत्येक अंग और प्रत्येक आभूषण जीवन को सही दिशा देने वाली शिक्षा प्रदान करता है।

क्या वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप ऐसा ही था?सनातन परंपरा में शिव को साकार और निराकार दोनों रूपों में स्वीकार किया गया है। वे कण-कण में विद्यमान हैं इसलिए उन्हें किसी एक स्वरूप में सीमित नहीं किया जा सकता।

फिर भी आज जो शिव स्वरूप प्रचलित है, वह निराधार नहीं है। पुराणों, वेदों, उपनिषदों और विभिन्न धार्मिक आख्यानों में भगवान शिव के गुण, कर्म और लीलाओं का जो वर्णन मिलता है, उसी के आधार पर कलाकारों और मूर्तिकारों ने उनके स्वरूप की कल्पना की। इसलिए शिव का प्रत्येक प्रतीक उनके व्यक्तित्व और उनके दिव्य संदेश का प्रतिनिधित्व करता है।

आइए जानते हैं भगवान शिव के स्वरूप में निहित आध्यात्मिक रहस्यों को।

जटाएं : अनंत ब्रह्मांड और तप का प्रतीकभगवान शिव की विशाल जटाएं केवल उनके योगी स्वरूप का परिचय नहीं देतीं, बल्कि वे संपूर्ण ब्रह्मांड का भी प्रतीक हैं। जिस प्रकार अंतरिक्ष में असंख्य ग्रह, नक्षत्र, आकाशगंगाएं और तारामंडल विद्यमान हैं, उसी प्रकार शिव की जटाएं अनंत सृष्टि का बोध कराती हैं। इन्हीं जटाओं में मां गंगा का अवतरण हुआ और मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित हैं। जटाएं यह भी दर्शाती हैं कि शिव पूर्ण योगी हैं, जिन्होंने सांसारिक आकर्षणों पर विजय प्राप्त कर तप और आत्मसंयम को अपनाया।

मां गंगा : करुणा और जीवन का प्रवाहपौराणिक कथा के अनुसार जब मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुईं, तब उनके तीव्र वेग को संभालने के लिए भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण किया। यह प्रसंग केवल कथा नहीं बल्कि यह संदेश देता है कि शक्ति तभी कल्याणकारी बनती है जब उस पर संयम का नियंत्रण हो। शिव की जटाओं से प्रवाहित होती गंगा जीवन, पवित्रता, करुणा और लोककल्याण की प्रतीक हैं।

चंद्रमा : शांत और निर्मल मन का प्रतीकसमुद्र मंथन से निकले चौदह रत्नों में चंद्रमा भी एक थे। भगवान शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर स्थान दिया। ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा मन का कारक माना जाता है। शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा यह संदेश देता है कि मन सदैव शांत, संतुलित और निर्मल होना चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, स्थिर मन वाला व्यक्ति ही सही निर्णय ले सकता है।

त्रिनेत्र : ज्ञान और चेतना का प्रतीकभगवान शिव त्रिनेत्रधारी हैं। उनके तीन नेत्र केवल तीन आंखें नहीं, बल्कि तीन प्रकार की चेतना का प्रतीक हैं। ये तीनों नेत्र भूत, वर्तमान और भविष्य के ज्ञान, सत्त्व, रज और तम तीनों गुणों की समझ तथा स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल तीनों लोकों पर दृष्टि का संकेत देते हैं। शिव का तीसरा नेत्र दिव्य ज्ञान का प्रतीक है। जब यह खुलता है तो अज्ञान, अधर्म और अहंकार का अंत हो जाता है।

नीलकंठ : विष को भी स्वीकार करने का साहससमुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। तब भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए उस विष का पान कर लिया। माता पार्वती ने उसे उनके कंठ से नीचे नहीं उतरने दिया, जिससे उनका कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महान व्यक्ति समाज की पीड़ा स्वयं सह लेते हैं लेकिन उसे दूसरों तक नहीं पहुंचने देते।

सर्पों का हार : नकारात्मक प्रवृत्तियों पर नियंत्रणसर्प सामान्यतः भय, मृत्यु और तमोगुण का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव ने उसे अपने गले का आभूषण बना लिया। इसका अर्थ है कि जिसने अपने भय, क्रोध, मोह और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर ली, वही सच्चा योगी है। शिव यह संदेश देते हैं कि मनुष्य को अपनी दुर्बलताओं का दास नहीं बल्कि स्वामी बनना चाहिए।

मुंडमाला : मृत्यु के शाश्वत सत्य का बोधभगवान शिव के गले में सुशोभित मुंडमाला जीवन और मृत्यु के सनातन चक्र का प्रतीक है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार यह देवी शक्ति के अनेक जन्मों का प्रतीक है, जबकि दार्शनिक दृष्टि से यह बताती है कि जन्म और मृत्यु प्रकृति का अटल नियम हैं। शिव मृत्यु के भी स्वामी हैं। इसलिए वे हमें मृत्यु से भयभीत होने के बजाय उसे जीवन का स्वाभाविक सत्य स्वीकार करने की प्रेरणा देते हैं।

त्रिशूल : तीन प्रकार के तापों का नाशभगवान शिव का प्रमुख आयुध त्रिशूल है। इसके तीन फलक दैहिक, दैविक और भौतिक इन तीन प्रकार के तापों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दैहिक अर्थात शरीर और मन के कष्ट, दैविक अर्थात प्राकृतिक अथवा दैवी संकट तथा भौतिक अर्थात सांसारिक दुख। शिव का त्रिशूल इन सभी कष्टों के विनाश का प्रतीक है।

डमरू : सृष्टि के प्रथम नाद का प्रतीकभगवान शिव के हाथ में स्थित डमरू सृष्टि की आदिम ध्वनि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि डमरू के नाद से महेश्वर सूत्र प्रकट हुए, जिनसे संस्कृत व्याकरण की आधारशिला रखी गई। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं बल्कि नवसृजन की भूमिका भी है। जब पुराना समाप्त होता है, तभी नए युग का आरंभ होता है। इसलिए डमरू परिवर्तन, सृजन और जीवन की निरंतरता का प्रतीक है।

व्याघ्रचर्म : शक्ति पर संयम का संदेशभगवान शिव अपने शरीर पर व्याघ्रचर्म धारण करते हैं। बाघ शक्ति, हिंसा और अहंकार का प्रतीक माना जाता है। शिव यह संदेश देते हैं कि शक्ति आवश्यक है, लेकिन उसका उपयोग केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए होना चाहिए। स्वाभिमान मनुष्य का आभूषण है, परंतु अहंकार उसका सबसे बड़ा शत्रु।

भस्म : संसार की नश्वरता का संदेशभगवान शिव अपने शरीर पर भस्म धारण करते हैं। यह भस्म हमें याद दिलाती है कि शरीर, धन, वैभव और संसार की प्रत्येक वस्तु नश्वर है। एक दिन सब कुछ मिट्टी में मिल जाएगा। इसलिए मनुष्य को अहंकार त्यागकर सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए।

नंदी : धर्म, निष्ठा और समर्पण का प्रतीकभगवान शिव के वाहन नंदी केवल एक बैल नहीं हैं। धर्मशास्त्रों में वृषभ को धर्म का प्रतीक माना गया है। नंदी के चार पैर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चार पुरुषार्थों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शिव मंदिरों में नंदी सदैव शिवलिंग की ओर एकटक देखते हुए दिखाई देते हैं, जो अटूट श्रद्धा, समर्पण और एकाग्रता का सर्वोच्च उदाहरण है।

शिव का संपूर्ण स्वरूप क्या सिखाता है?भगवान शिव का पूरा स्वरूप संतुलन का संदेश देता है। वे योगी भी हैं और आदर्श गृहस्थ भी। वे संहारक भी हैं और कल्याणकारी भी। वे वैराग्य के प्रतीक भी हैं और परिवार के संरक्षक भी। उनकी जटाएं संयम सिखाती हैं, चंद्रमा मन की शीतलता का संदेश देता है, तीसरा नेत्र विवेक का प्रतीक है, सर्प भय पर विजय का, त्रिशूल कष्टों के विनाश का, डमरू सृजन का, व्याघ्रचर्म अहंकार पर नियंत्रण का, भस्म नश्वरता का और नंदी धर्म के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

जिसने परमात्मा का साक्षात् अनुभव कर लिया, वह उस दिव्य अनुभूति को शब्दों में व्यक्त करने में स्वयं को असमर्थ पाता है। इसलिए ऋषि-मुनियों ने ईश्वर के स्वरूप को प्रतीकों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। भगवान शिव का प्रत्येक प्रतीक जीवन-दर्शन का एक अध्याय है।

सावन का यह पावन महीना केवल शिवलिंग पर जल अर्पित करने का अवसर नहीं बल्कि भगवान शिव के गुणों संयम, करुणा, धैर्य, त्याग, संतुलन, निर्भयता और लोककल्याण की भावना को अपने जीवन में उतारने का भी समय है। जब मनुष्य इन गुणों को आत्मसात कर लेता है, तभी उसकी शिवभक्ति पूर्ण मानी जाती है। यही भगवान भोलेनाथ के दिव्य स्वरूप का वास्तविक संदेश है।(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने हितग्राहियों को वितरित किए डिजिटल जाति प्रमाण पत्र

रायपुर, 01 अगस्त (हि.स.)। छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल सुशासन नीति से प्रदेश में आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का त्वरित और पारदर्शी लाभ मिलना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में धमतरी जिले में 'सेवा सेतु' पोर्टल के माध्यम से 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे नागरिकों को अब सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से बड़ी राहत मिली है।

धमतरी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने सेवा सेतु पोर्टल के ज़रिए ऑनलाइन जारी किए गए जाति प्रमाण पत्र हितग्राहियों को सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने पारदर्शी और समयबद्ध सेवा वितरण प्रणाली की सराहना की।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल राज्य सरकार की नागरिक-केंद्रित सुशासन सोच का जीवंत उदाहरण है। डिजिटल तकनीक के इस उपयोग से शासन और आम जनता के बीच की दूरी समाप्त हो रही है, जिससे हर नागरिक तक शासकीय सेवाएं पूरी पारदर्शिता, त्वरित गति और जवाबदेही के साथ पहुँच रही हैं।

बेटियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण से मिलेगा आत्मविश्वास और नेतृत्व का संबलः मंत्री लखन लाल देवांगन

कोरबा, 01 अगस्त (हि. स.)। जिला कुडो संघ द्वारा शनिवार को कटघोरा के मंगल भवन में आयोजित राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 2026 का शुभारंभ उद्योग, वाणिज्य, श्रम एवं आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचीं प्रतिभाशाली बेटियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंत्री देवांगन ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण केवल सुरक्षा के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि इससे बेटियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बेटियां ही सशक्त एवं सुरक्षित समाज की नींव मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की खेलो इंडिया जैसी योजनाओं से भी खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर मंच मिल रहा है।

किसान के बेटे ने सेल्फ स्टडी से रचा इतिहास, सब ऑडिटर परीक्षा में ब्रजेश ने छत्तीसगढ़ में हासिल किया दूसरा स्थान

बलरामपुर, 01 अगस्त (हि.स.)। मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर सामान्य परिवार का बेटा भी बड़ी सफलता हासिल कर सकता है। इसे सच कर दिखाया है बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत भंवरमाल के ग्राम धनपुरी निवासी ब्रजेश कुमार प्रजापति ने। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (सीजी व्यापमं), रायपुर द्वारा आयोजित सब ऑडिटर परीक्षा में ब्रजेश ने पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

सब ऑडिटर के पदों के लिए सीजी व्यापमं की परीक्षा 5 जुलाई को पूरे राज्य में आयोजित की गई थी। परीक्षा में हजारों परीक्षार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा का परिणाम 30 जुलाई को व्यापमं की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया गया। परिणाम सामने आने के बाद ब्रजेश कुमार प्रजापति की शानदार सफलता की जानकारी सामने आई।

ब्रजेश ने परीक्षा में 89.000 अंक हासिल किए और पूरे छत्तीसगढ़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 89.250 अंक प्राप्त कर हर्षवर्धन सिंह ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। महज 0.250 अंक के अंतर से ब्रजेश राज्य टॉप करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल कर बलरामपुर जिले को गौरवान्वित किया है।

जिले में किया टॉप

ब्रजेश कुमार प्रजापति की इस सफलता की खास बात यह है कि उन्होंने न

केवल प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया, बल्कि बलरामपुर जिले में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिला टॉप किया है। परिणाम जारी होने के बाद उनके परिवार, गांव और परिचितों में खुशी का माहौल है।

ग्राम धनपुरी के रहने वाले ब्रजेश शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। उन्होंने रामानुजगंज स्थित लरंगसाय पीजी कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की है। पढ़ाई के दौरान भी उनकी रुचि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में रही। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी और आखिरकार प्रदेश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा में यह शानदार सफलता हासिल की।

पिता करते हैं खेती-किसानी

ब्रजेश कुमार प्रजापति एक सामान्य किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता रामावतार प्रजापति खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद ब्रजेश ने पढ़ाई के प्रति अपना संकल्प नहीं छोड़ा।

ब्रजेश तीन भाइयों में सबसे बड़े हैं। परिवार की जिम्मेदारियों और सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए उन्होंने सेल्फ स्टडी को अपना आधार बनाया। बिना किसी बड़े संसाधन के लगातार पढ़ाई और मेहनत करते हुए उन्होंने यह मुकाम हासिल किया।

माता-पिता और गुरुजनों को दिया सफलता का श्रेय

अपनी सफलता से उत्साहित ब्रजेश कुमार प्रजापति ने इसका श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार से मिले सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मेहनत को सफलता का सबसे बड़ा आधार बताया।

ब्रजेश की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ गांव और पूरे बलरामपुर जिले में खुशी का माहौल है। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर प्रदेश स्तर की प्रतियोगी परीक्षा में दूसरा स्थान हासिल करना जिले के युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक माना जा रहा है।

गुरु पूर्णिमा/मुड़िया मेला-2026 उत्कृष्ट प्रबंधन, सुरक्षा एवं सेवा के साथ सकुशल संपन्न

यात्रियों की सुविधा सर्वोपरिः मेले की विशेष व्यवस्थाएं 2 अगस्त 2026 तक रहेंगी जारी

आगरा मंडल द्वारा 24 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित गुरु पूर्णिमा/मुड़िया मेला-2026 के दौरान मथुरा जंक्शन एवं गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की भारी भीड़ के बीच उत्कृष्ट प्रशासनिक, सुरक्षा एवं परिचालन व्यवस्थाओं के माध्यम से मेले का सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक, आगरा श्री गगन गोयल के मार्गदर्शन में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री गिरीश कुमार गुप्ता, मेला अधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं रेलकर्मियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराई।

मेला अवधि में मथुरा जंक्शन से कुल 3,17,664 यात्रियों ने रेल यात्रा की, जिससे ?3,16,98,315 का यात्री राजस्व अर्जित हुआ। वहीं स्टेशन पर 8,14,158 श्रद्धालुओं एवं यात्रियों का फुटफॉल दर्ज किया गया।

इसी प्रकार गोवर्धन रेलवे स्टेशन से 31,592 यात्रियों ने रेल यात्रा की, जिससे ?12,25,340 का यात्री राजस्व प्राप्त हुआ तथा 65,744 श्रद्धालुओं एवं यात्रियों का फुटफॉल दर्ज किया गया।

मेले के सफल संचालन के लिए मथुरा जंक्शन पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 24म7 निगरानी सुनिश्चित की गई। मथुरा मेला कंट्रोल रूम में प्रतिदिन एक जेएजी (छ्वत्न) स्तर के अधिकारी तथा गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन एक जूनियर स्केल अधिकारी की तैनाती की गई।

इसके अतिरिक्त कंट्रोल रूम में शिफ्टवार अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग एवं विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाए रखा गया।

यात्रियों की सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन के लिए लगभग 350 रेल सुरक्षा बल (ञ्चक्क) कर्मियों, 90 वाणिज्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों, 90 टिकट चेकिंग स्टाफ तथा 85 भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्वयंसेवकों को शिफ्टवार तैनात किया गया। मथुरा जंक्शन एवं गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर लगभग 280 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी रखी गई। भीड़ को सुव्यवस्थित रखने के लिए मथुरा जंक्शन पर फर्स्ट एंट्री एवं थर्ड एंट्री होल्डिंग एरिया तथा गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाए गए । मंडल कार्यालय आगरा स्थित वॉर रूम में मेले की अवधि के दौरान प्रतिदिन अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई, जिससे 24म7 निगरानी, समन्वय एवं त्वरित निर्णय लेकर सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी संचालन किया गया।

श्रद्धालुओं की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए प्रतिदिन लगभग 20 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। इसके अतिरिक्त 4 ट्रेनों का अस्थायी ठहराव, 5 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी विस्तार तथा आवश्यकता पड़ने पर ट्रेन ऑन डिमांड (ञ्जह्रष्ठ) चलाने की व्यवस्था भी रखी गई। टिकट वितरण को सुगम बनाने के लिए मथुरा जंक्शन पर 21 तथा गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर 4 अतिरिक्त टिकट खिड़कियां संचालित की गईं। साथ ही मोबाइल अनारक्षित टिकट प्रणाली (रूञ्जस्) के माध्यम से भी टिकट उपलब्ध कराए गए, जिसके लिए मथुरा जंक्शन पर 11 तथा गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर 3 रूञ्जस् उपकरण लगाए गए। इससे यात्रियों को लंबी कतारों से राहत मिली और टिकट वितरण की प्रक्रिया अधिक तेज एवं सुगम बनी।

श्रद्धालुओं की सहायता के लिए दोनों स्टेशनों पर खोया-पाया केंद्र, हेल्प डेस्क, चिकित्सा सहायता बूथ, शिफ्टवार चिकित्सकों की उपलब्धता, एंबुलेंस एवं फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विद्युत, सिग्नल एवं दूरसंचार, यांत्रिक तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरे मेला अवधि के दौरान 24म7 अलर्ट मोड पर कार्यरत रहे।

श्रद्धालुओं की निरंतर बनी हुई भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाओं की अवधि दो दिन बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब 2 अगस्त 2026 तक सुरक्षा, टिकटिंग, पेयजल, चिकित्सा, सहायता केंद्र, भीड़ प्रबंधन तथा अन्य सभी यात्री सुविधाएं पूर्ववत उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं को निर्बाध एवं सुरक्षित यात्रा का लाभ मिलता रहे।

आगरा मंडल रेल प्रशासन ने गुरु पूर्णिमा/मुड़िया मेला-2026 के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी विभागों, रेल सुरक्षा बल, जीआरपी, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, स्वयंसेवकों तथा समस्त रेलकर्मियों के समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य की सराहना की है। साथ ही मेले के दौरान रेलवे प्रशासन का सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सुरक्षित, विश्वसनीय एवं उच्च गुणवत्ता वाली रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

दिवानी न्यायालय परिसर, आगरा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

आज दिनांक 01 अगस्त, 2026 को समय 10.15 बजे, माननीय श्री संजय कुमार मलिक, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा तथा श्रीमती तृप्ता चौधरी, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, आगरा के कर-कमलों द्वारा दिवानी न्यायालय परिसर, आगरा में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन एवं पर्यावरण के संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से वृक्षारोपण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने तथा लगाए गए पौधों के नियमित संरक्षण का आह्वान किया।

इस अवसर पर श्री अमरजीत, अपर जिला जज, श्री शारिब अली, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, आगरा सहित जनपद न्यायालय, आगरा के समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ के साथ हुआ तथा सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

03 से 10 अगस्त तक आगरा में चलेगा 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0', रोजगार व स्वरोजगार के मिलेंगे अवसर

18 से 45 वर्ष आयु के इच्छुक दिव्यांगजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बल्केश्वर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ कर सकते हैं प्रतिभाग

आगरा.01.08.2026/उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में जनपद आगरा के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), बल्केश्वर में 03 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0' का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी जिला समन्वयक उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, आगरा ने देते हुए बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य कौशल प्रशिक्षित एवं अन्य इच्छुक दिव्यांगजन युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करना है। इस अभियान के माध्यम से दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।

धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने दिहोली राजाखेड़ा मनियां थानों का किया निरीक्षण कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

धौलपुर (निज संवाददाता)। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह एवं परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक धौलपुर विकास सांगवान ने शनिवार को पुलिस थाना दिहोली राजाखेड़ा एवं मनियां का क्रमवार निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने थानों की कार्यप्रणाली अभिलेख संधारण अनुसंधान की प्रगति मालखाना शस्त्रागार हवालात एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सर्वप्रथम थाना दिहोली इसके बाद थाना राजाखेड़ा एवं अंत में थाना मनियां का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक थाने पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की बैठक लेकर पुलिस मुख्यालय एवं जयपुर रेंज स्तर से संचालित विभिन्न अभियानों की प्रगति की समीक्षा की तथा अभियानों को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसंधान अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का अनुसंधान निष्पक्ष समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके तथा न्यायालय में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित हो। उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने आगामी पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनावों के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने थानाधिकारियों को संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी करने, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हिस्ट्रीशीटरों आदतन अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की सघन धरपकड़ करने, उनकी गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखने तथा उनके विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही नियमित गश्त संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग तथा सूचना तंत्र को मजबूत रखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। पुलिस अधीक्षक ने अवैध हथियार मादक पदार्थ अवैध शराब जुआ सट्टा एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल अपराधों से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करने तथा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए आमजन को जागरूक करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने थाना परिसरों की साफ-सफाई रिकॉर्ड के सुव्यवस्थित संधारण सरकारी संपत्ति के संरक्षण एवं पुलिस अनुशासन बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को और मजबूत करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान श्री सुखराम विश्नोई प्रोबेशनर आरपीएस थानाधिकारी राजाखेड़ा वीर सिंह थानाधिकारी मनियां अनिल गौतम व थानाधिकारी थाना दिहोली अशोक पहलवान सहित संबंधित पुलिस थानों के अधिकारी एवं पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

मुख्य सचिव ने सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की समीक्षा की गर्भवती महिलाओं के लिए रेफरल परिवहन तंत्र को और सुदृढ़ किया जाए - मुख्य सचिव

सुरक्षित प्रसव एवं जननी एक्सप्रेस के संबंध में परिपत्र जारी करने के निर्देश एनीमिया एवं हाईपरटेंशन के उपचार प्रोटोकॉल की एसओपी जारी होगी

धौलपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गर्भवती महिलाओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए रेफरल परिवहन तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुरक्षित प्रसव एवं जननी एक्सप्रेस सेवाओं के प्रभावी संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों सहित परिपत्र जारी करने को कहा। साथ ही निर्देश दिए कि उच्च जोखिम हाई रिस्क वाली गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए संभावित प्रसव तिथि से एक-दो दिन पूर्व ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थान में रेफर किया जाए। मुख्य सचिव शनिवार को स्वास्थ्य भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यो अस्पताल अधीक्षकों संयुक्त निदेशकों पीएमओ आरसीएचओ एवं सीएमएचओ के साथ सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं में गंभीर एनीमिया सीवियर एनीमिया के मामलों में कमी आने तथा उन्हें माइल्ड एनीमिया श्रेणी में लाने के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में मुख्य सचिव ने मातृ मृत्यु के विभिन्न कारणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने भीलवाड़ा में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु के मामले की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा शाहपुरा सीएचसी के स्त्री रोग विशेषज्ञ और एएनएम से सीधे संवाद कर घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों से चर्चा कर उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल की समीक्षा भी की

श्री वी. श्रीनिवास ने 'प्रसव सखी' पहल के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की तथा इसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं को दी जा रही सहायता एवं सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने अलवर भरतपुर एवं दौसा के सीएमएचओ तथा आरसीएचओ से हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की पहचान उपचार तथा फील्ड स्तर पर एएनएम द्वारा एनीमिया एवं हाईपरटेंशन के लक्षणों की निगरानी की जानकारी ली। बैठक में स्त्री रोग विशेषज्ञों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित चिकित्सकों को उपचार प्रबंधन एवं प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में एनीमिया एवं हाईपरटेंशन के उपचार और प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की जाए ताकि पूरे प्रदेश में एक समान उपचार प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना सुनिश्चित हो सके। उन्होंने ब्यावर चित्तौड़गढ़ बारां झालावाड़ एवं सलूम्बर जिलों में एनीमिया और हाईपरटेंशन की स्क्रीनिंग एवं उपचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में सर्जिकल प्रोटोकॉल औषधि उपलब्धता तथा 104 एवं 108 एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। श्री वी. श्रीनिवास ने स्पष्ट कहा कि रक्त की उपलब्धता के अभाव में किसी भी गर्भवती महिला की मृत्यु नहीं होनी चाहिए उन्होंने आवश्यकता वाले क्षेत्रों में विशेष रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही बीकानेर अजमेर जोधपुर उदयपुर एवं कोटा मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यो से हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के प्रसव प्रबंधन आईसीयू सुविधाओं तथा उपचार प्रोटोकॉल की जानकारी ली। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बैठक में प्रसव सखी पहल हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की एएनएम स्तर पर सूचीबद्धता गंभीर एनीमिया को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा विभिन्न उपचार प्रोटोकॉल के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. जोगाराम चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री बाबूलाल गोयल राजस्थान हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हरजीलाल अटल अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला राजस्थान हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती निधि पटेल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

माहौर क्षत्रिय स्वर्णकार संघ धौलपुर की नई कार्यकारिणी घोषित मोहन वर्मा ने समाज उत्थान और एकता का लक्ष्य रखा

धौलपुर। माहौर क्षत्रिय स्वर्णकार संघ की जिला इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा जिला अध्यक्ष मोहन वर्मा द्वारा की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी का गठन समाज को संगठित करने युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने तथा शिक्षा, सामाजिक उत्थान एवं पारिवारिक एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज के हित में कार्य करेंगे। जारी सूची के अनुसार मुख्य सलाहकार के रूप में संजय सोनी को मनोनीत किया गया है। उपाध्यक्ष पद पर ललित सोनी, सुभाष सोनी पवन सोनी एवं बृजमोहन सोनी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचिव के रूप में रवि सोनी तथा कोषाध्यक्ष के रूप में अजय सोनी (सोनू) को नियुक्त किया गया है।इसी

प्रकार मंत्री पद पर नरेश सोनी ज्ञानेश सोनी विजय सोनी (पिल्लू) नीरज सोनी मुरारी सोनी मनोज सोनी सोहन सोनी (सोनू) एवं विक्रम सोनी को मनोनीत किया गया है।संरक्षक मंडल में राधेश्याम सोनी कैलाश सोनी कृष्ण कुमार सोनी राजकुमार सोनी एवं विजय वर्मा (बाड़ी वाले) को शामिल किया गया है। संगठन मंत्री का दायित्व रवि वर्मा (बजाज) को सौंपा गया है।चंदा प्रभारी के रूप में जगदीश वर्मा (बोनी) रवि सोनी (कानपुर वाले) एवं दीपक सोनी को नियुक्त किया गया है। प्रचार मंत्री के पद पर राजकुमार सोनी (भोटे) एवं जुगल सोनी को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कानूनी सलाहकार के रूप में मनीष वर्मा को मनोनीत किया गया है। जिला अध्यक्ष मोहन वर्मा ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ेगा। समाज में शिक्षा युवा सशक्तिकरण सामाजिक समरसता जरूरतमंद परिवारों की सहायता तथा समाज के सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नई कार्यकारिणी सक्रिय भूमिका निभाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए समाज के विकास एवं एकजुटता के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया

प्रेमचन्द दरिद्र नहीं थे, संपन्न थे लेकिन दरिद्रो का दर्द बड़ी शिद्दत से महसूस कर कालजेई रचनाओं का संसार दे गए

नागरी प्रचारिणी सभा, आगरा के सभागार में प्रेमचन्द जयन्ती समारोह का आयोजन, विद्वान वक्ताओं ने रखे अपने विचार

आगरा। नागरी प्रचारिणी सभा, आगरा द्वारा 31 जुलाई को 'प्रेमचन्द जयन्ती समारोह' का आयोजन 'सभा भवन' में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गिरधर शर्मा सी0एम0डी0, सेंट एंड्रयूज़ ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशनने कहा 'मुंशी प्रेमचन्द भारत के उपन्यास सम्राट माने जाते हैं, जिनके युग का विस्तार सन 1880 से 1936 तक रहा है। यह कालखण्ड भारत के इतिहास में बहुत महत्त्व रखता है। इस युग में भारत का स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई भी नई मंजिलों से गुजरी थी। 'मुख्य वक्ता प्रो. उमापति दीक्षित, विभागाध्यक्ष, सायंकालीन पाठ्यक्रम विभाग, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) ने कहा कि 'प्रेमचन्द की रचना-दृष्टि, विभिन्न साहित्य रूपों में अभिव्यक्त हुई है। वह बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न साहित्यकार थे। वह दरिद्र नहीं थे, संपन्न थे, लेकिन दरिद्रो के दर्द को बड़ी ही शिद्दत से महसूस करते हुए उन्होंने साहित्य को कमजोर और बेसहारा वर्ग की आवाज़ बनाया। प्रेमचन्द की रचनाओं में तत्कालीन इतिहास बोलता है। विश्व साहित्य के क्षितिज पर हिंदी साहित्य को सम्मानजनक स्थान दिलाने वाले प्रेम चंद को भारत का टॉलस्टाय कहा जाने लगा था। उनके साहित्य को पूरी दुनिया में अनुवादित कर पढ़ा गया। '

समारोह के अध्यक्ष और सभा के सभापति डॉ0 खुगीराम शर्मा ने अपने उद्?बोधन में कहा कि 'जिस युग में प्रेमचन्द ने कलम उठाई थी, उस समय उनके पीछे ऐसी कोई ठोस विरासत नहीं थी और न ही विचार और न ही प्रगतिशीलता का कोई मॉडल ही उनके सामने था, सिवाय बांग्ला साहित्य के। '

समारोह में वरिष्ठ कवि रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने भी विचार व्यक्त करते हुए मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व के कई पहलुओं पर प्रकाश डाला। समारोह का सफल संचालन करते हुए सभा की उप सभापति प्रो. कमलेश नागर ने कहा कि 'प्रेमचन्द ने अपने जीवन में कई अद्?भुत कृतियों लिखी हैं। तब से लेकर आज तक हिन्दी साहित्य में न ही उनके जैसा हुआ है, और न ही कोई और होगा।' सभा के मंत्री प्रो0 चन्द्र शेखर शर्मा ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा 'प्रेमचन्द से पहले, हिंदी कथा साहिल में अक्सर राजाओं, रानियों, तिलिस्म और कल्पनालोक का प्रभाव दिखाई देता था। प्रेमचन्द ने कहानी लेखन का ट्रेंड ही बदल दिया। यही कारण है कि उन्हें आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य का सबसे बड़ा मथार्थवादी लेखक माना जाता है। शुरू में डॉ.शशि तिवारी ने सरस्वती वंदना का पाठ किया। डॉ0 ब्रज बिहारी बाल वर्मा 'बिरजू ने अतिथियों स स्वागत किया। मुख्य वक्ता प्रो. उमापति दीक्षित का परिचय डॉ.मधु भारद्वाज ने दिया। मुख्य अतिथि डॉ.गिरधर शर्मा का परिचय डॉ. विनोद माहेश्वरी ने दिया। इस अवसर पर प्रो. आभा चतुर्वेदी, डॉ0 नीलम भटनागर, डॉ. मधुरिमा शर्मा, डॉ. हरबंस पाण्डेय, रमेश पंडित, डॉ0 महेश धाकड़, नन्द नंदन गर्ग, ओम स्वरूप गर्ग, लखमीचंद, शीलेंद्र कुमार वशिष्ठ, शरद गुप्त, रामेंद्र शर्मा रवि, शैल अग्रवाल, नूतन अग्रवाल, सपना सिंह, मनीष सिंह, हेमन्त कुमार द्विवेदी, प्रकाश गुप्ता, शीलेंद्र वर्मा, डॉ. यशोयश, प्रकाश चंद्र अग्रवाल, खुशी सिंह, उमा शंकर पाराशर आदि मौजूद रहे।

धौलपुर बिजली विभाग का अभियान तेज शुरूः कटे कनेक्शन जांच अवैध उपयोग पर कार्रवाई, 7633 बकायेदारों से 63.50 करोड़ वसूली

धौलपुर (निज संवाददाता)। विद्युत विभाग ने बड़े बिजली बकायेदारों के विरुद्ध अभियान तेज करते हुए कटे हुए बिजली कनेक्शनों वाले परिसरों की विशेष जांच करने का निर्णय लिया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के बकाया बिल के कारण बिजली कनेक्शन काट दिए गए हैं, उनके परिसरों का निरीक्षण किया जाएगा।जांच के दौरान यदि किसी परिसर में कटा हुआ कनेक्शन होने के बावजूद अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पाया गया तो संबंधित उपभोक्ता /गैर उपभोक्ता के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराते हुए नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि बकाया राशि जमा किए बिना दोबारा बिजली का उपयोग करना कानून का उल्लंघन है।अधिकारियों ने बड़े बकायेदारों से शीघ्र बकाया जमा कर वैधानिक प्रक्रिया के तहत ही बिजली आपूर्ति बहाल कराने की अपील की है। विभाग का कहना है कि अभियान का उद्देश्य राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के साथ-साथ बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाना है। जांच अभियान आगामी 15 दिनों में विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चलाया जाएगा। डिस्कॉम सूत्रों की मानें तो जिन उपभोक्ताओं पर डिस्कॉम की बड़ी बकाया राशि लंबित हो गयी थी और बिल जमा कराने में आना कानी कर रहे थे उनके कनेक्शन काटे गए थे। 50 हजार से ज्यादा राशि वाले कनेक्शन जो 2 साल मे काटे गए हैं उनकी संख्या धौलपुर जिले में 7633 हे व इनपर 63.50 करोड़ रुपये बकाया चल रहा है ऐसे बड़े बकायेदारों से डिस्कॉम के फीडर इंचार्ज ने कयी बार तगादा किया व विभाग ने शिविर भी लगाए हैं लेकिन बकाया राशि जमा नहीं करायी गयी है। अब डिस्कॉम ने ऐसे कटे कनेक्शन के परिसरों की भौतिक जाँच कराने का निर्णय लिया है। डिस्कॉम की विजिलेंस टीमें ऐसे कटे बकायेदारों के परिसरों की जाँच करेंगे व अवैधानिक तरीके से बिजली चालू मिलने पर VCR भरने की कार्यवाई की जाएगी।स्ध्न विवेक शर्मा ने बकायेदारों से अपील की है कि वो अपनी पुरानी बकाया राशि तुरंत जमा करदे ओर नए कनेक्शन लेले नहीं तो उनके परिसरों की जाँच कर बिजली चोरी मिलने पर विजिलेंस कार्यवाई की जाएगी।

चित्रांश बंधुओ के द्वारा नशा न करने के लिए दिलाई शपथ

नशे से बनाओ दूरी समाज के हित में है जरुरी : अभय चौधरी

अशोक सोनी ग्वालियर-

90096011101

ग्वालियर। प्रति माह की भांति जुलाई माह में श्री चित्रगुप्त धाम सर्व देव मंदिर दौलत गंज में समस्त चित्रांश बंधुओं ने एकत्रित होकर भगवान की पूजा अर्चना की और समाज की बेहतरी के लिए नशे से दूर रहने और अन्य सभी को जागरूक करने की शपथ ली। इसी के साथ जुलाई माह में पड़ने वाले जन्मदिन व वैवाहिक वर्षगांठ वाले दम्पतियों को सामूहिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी गई। इस अवसर पर मौजूद हाकिम देवी प्रसाद रामप्यारी न्यास के अध्यक्ष अभय चौधरी ने सभी को समाज कल्याण हेतु नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए इस बुराई से सभी से बचने को कहा।

भगवान श्री चित्रगुप्त धाम सर्व देव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं सहित प्रत्येक व्यक्ति को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनाना था।

कार्यक्रम के मुख्य रूप से मौजूद अध्यक्ष अभय चौधरी जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि 'युवा पीढ़ी नशे के विरुद्ध जन-जागरण की अग्रदूत बने। यदि प्रत्येक विद्यार्थी अपने परिवार, मित्रों, मोहल्ले एवं समाज में नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प ले, तो नशा मुक्त भारत का सपना अवश्य साकार होगा।' उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी स्वस्थ, सकारात्मक एवं संस्कारित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें।

अध्यक्ष अभय चौधरी जी ने चित्रांश बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार, करियर और सामाजिक जीवन को बर्बाद कर देता है। यदि कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में आ जाता है तो वह अपने जीवन को स्वयं ही संकट में डाल देता है। इसलिए प्रत्येक छात्र-छात्रा का कर्तव्य है कि वह नशे से दूर रहकर अपने परिवार और समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करे।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जन-जागरूकता, परामर्श, उपचार एवं पुनर्वास के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अभियान अब जन-आंदोलन का स्वरूप ले चुका है और इसे सफल बनाने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उपस्थित सभी चित्रांश बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम को विधि विधान से पंडित राजेश्वर राव ने संपन्न करवाया कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सुरेंद्र कुमार खरे ने किया यह जानकारी आकाश श्रीवास्तव ने दी कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित शशिकांत भटनागर श्याम श्रीवास्तव अमित सक्सेना अमित श्रीवास्तव मुकेश भटनागर मिली सक्सेना तृप्ति भटनागर वर्षा श्रीवास्तव आशीष भटनागर मुस्कान भटनागर रजत श्रीवास्तव रिचा श्रीवास्तव वरुण सक्सेना सहित अन्य सामाजिक बंधु मौजूद रहें।

वरिष्ठ समाजसेवी रामसिंह मंडेलिया पंचतत्व में विलीन

ग्वालियर । प्रजापति वरिष्ठ समाज सेवी एवं समाज की अनेक संस्थाओं में अपनी सेवाएं देने वाले श्री रामसिंह मंडेलिया जी का निधन गतरात्रि में हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ थे। उनकी अंतिम यात्रा आज समाधिया कालोनी स्थित हारकोटा सीर से लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम पहुची। जहां पर उनका अंतिम संस्कार पर किया गया। उनके दो पुत्र बड़ा मदनमोहन मंडेलिया, छोटा बेटा धर्मेन्द्र मंडेलिया के अलावा उनके चार पुत्रियां हैं। श्री रामसिंह मंडेलिया जी ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा, सामाजिक जागरूकता को समर्पित रहा। वे प्रगतिशील प्रजापति सभा, श्री काशीबाबा सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के माध्यम से समाज को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

आवदा के साईं पब्लिक स्कूल में नए प्रवेशों पर लगी रोक

निर्माणाधीन भवन में बच्चों की कक्षाएं चलाने के मामले में शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, नोटिस का जवाब नहीं देने पर आदेश जारी

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। कराहल तहसील के ग्राम आवदा स्थित अशासकीय साईं पब्लिक स्कूल में निर्माणाधीन भवन के भीतर बच्चों की कक्षाएं संचालित किए जाने के मामले में आखिरकार शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई कर दी है। जिला शिक्षा अधिकारी यश जैन ने विद्यालय की सभी कक्षाओं में आगामी आदेश तक नए प्रवेशों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई स्कूल प्रबंधन द्वारा कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने के बाद की गई।

जिला शिक्षा अधिकारी यश जैन ने बताया कि विद्यालय में ऐसे निर्माणाधीन कक्ष, जहां छत की सेटरिंग और बांस-बल्लियां लगी हुई थीं, वहां मासूम बच्चों को बैठाकर पढ़ाई कराई जा रही थी। यह बच्चों की सुरक्षा के साथ गंभीर लापरवाही का मामला है। इस संबंध में विद्यालय प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन निर्धारित समय में कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद विभाग ने विद्यालय में सभी कक्षाओं के नए प्रवेशों पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया।

मीडिया में मामला उजागर होने के बाद मचा था हड़कंप

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इस पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। इसके बाद विभिन्न समाचार माध्यमों ने इस गंभीर लापरवाही को प्रमुखता से प्रकाशित किया। वायरल वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि निर्माणाधीन भवन के भीतर छत को सहारा देने के लिए लगी बांस-बल्लियों के नीचे छोटे-छोटे बच्चे बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। मामला सामने आने के बाद अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ पर उठे थे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना था कि जब भवन निर्माण कार्य जारी था, तब बच्चों को किसी सुरक्षित स्थान पर पढ़ाया जाना चाहिए था। लेकिन स्कूल प्रबंधन ने सुविधा के नाम पर मासूम बच्चों की जान जोखिम में डाल दी। लोगों ने आशंका जताई थी कि यदि निर्माणाधीन छत, निर्माण सामग्री या सहारा देने वाली बल्लियां गिर जातीं, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रशासनिक निगरानी पर भी उठे सवाल

इस घटना ने निजी विद्यालयों में सुरक्षा मानकों के पालन और प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल खड़े किए। लोगों ने पूछा कि निर्माण कार्य के दौरान क्या किसी अधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण नहीं किया? क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं थी? ऐसे सवालों ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया।

नोटिस के बाद अब कार्रवाई

मामले के सार्वजनिक होने और मीडिया में प्रमुखता से उठने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी यश जैन ने स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। जवाब नहीं मिलने पर अब विद्यालय में सभी कक्षाओं के नए प्रवेशों पर रोक लगा दी गई है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा जांच के आधार पर आगे भी आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में सावन मेले का शुभारंभ

मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने किया सावन मेले का शुभारंभ

अशोक सोनी ग्वालियर-

9009601101

ग्वालियर ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित सावन मेले का औपचारिक शुभारंभ शनिवार को मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन एवं उपाध्यक्ष श्री उदयवीर सिंह गुर्जर ने किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और मेले में आए सैलानी उपस्थित थे।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला परिसर में सावन मेला लगाया गया है। इस मेले में आकर्षक झूले, मनोरंजन के साधन, स्वादिष्ट व्यंजनों के फूड स्टॉल तथा खरीददारी के लिये विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई गई हैं। मेले में हर आयु वर्ग के लोगों के लिये मनोरंजन और खरीददारी का विशेष आकर्षण उपलब्ध कराया गया है।

मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन एवं उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह गुर्जर ने शहरवासियों से अपील की है कि मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित सावन मेले में आएं और मेले का आनंद उठाएं।

सावन मेले के शुभारंभ अवसर पर ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया, व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेश मुदगल, ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत, पूर्व जिला अध्यक्ष श अभय चौधरी कमल माखीजानी महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष आशु श्रीवास सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। जनप्रतिनिधियों ने मेले का भ्रमण कर आनंद उठाया।

मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा में प्रेमचंद जयंती पर हुआ आयोजन

ग्वालियर (निज संवाददाता)। भारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर के तत्वावधान मे सभा भवन दौलतगंज , ग्वालियर में गत दिवस मुंशी प्रेमचंद जयंती पर चर्चा एवं विशेष व्याख्यान आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ भगवान स्वरूप चैतन्य ने की ,मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार राज किशोर वाजपेयी ' अभय' , विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कथाकार (श्रीमती) सुबोध चतुर्वेदी सहित कार्यक्रम में साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ कुमार संजीव एवं कार्यक्रम संयोजक श्री दिनेश पाठक मंचासीन रहे।

प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मुंशी प्रेमचंद मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। दीप प्रज्ज्वलित किया गया। सरस्वती वंदना युवा कवियत्री रवीना नरबरिया ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन युवा कवि विकास बघेल ने किया।

इसके पश्चात् अतिथियों का स्वागत सभा मंत्री उपेंद्र कस्तूरे, दिनेश पाठक एवं राम चरण 'रुचिर' प्रचार प्रसार मंत्री एवं अन्य साहित्यकारों के द्वारा किया गया । प्रारंभ में कार्यक्रम की रूपरेखा एवं विषय से संबंधित उद्बोधन डॉक्टर कुमार संजीव के द्वारा दिया गया उन्होंने मुंशी प्रेमचंद के जीवन की यथार्थता का एवं लोक हित में किए गए कार्यों का उल्लेख किया। इसके पश्चात् कवि हेमंत विशाल ने प्रेमचंद के जीवन पर आधारित उपन्यासों एवं उनकी कृतियों पर अपना वक्तव्य दिया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में (श्रीमती) सुबोध चतुर्वेदी ने कहा कि परिस्थितियों से जूझते हुए मुंशी प्रेमचंद ने लोकहित में कथा एवं साहित्य का सृजन किया वह आज भी प्रासंगिक है। उनके साहित्यिक युग को प्रेमचंद युग के रूप में जाना जाता है। मुंशी प्रेमचंद का नाम मूलतः धनपत राय था ,इसके पश्चात् परिस्थितियों के कारण जब उनके कथा संग्रह को अंग्रेजी शासन द्वारा प्रतिबंधित किया तब उनका सृजन राय बहादुर व तत्पश्चात् नाम मुंशी प्रेमचंद रूप में रहा । मुंशी प्रेमचंद का कथा लेखन आधुनिक काल में भी प्रासंगिक है।

इसके पश्चात् मुख्य अतिथि राजकिशोर वाजपेई 'अभय' ने भी उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, कि मुंशी प्रेमचंद परिस्थितियों से लड़ते हुए उनका साहित्य लोक हितकारी एवं यथार्थवाद के अद्भुत लेखन के रूप में जाना जाता है। इसीलिए उनको कथा सम्राट के रूप में भी जाना जाता है।

इसके पश्चात् अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए व मुंशी प्रेमचंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डॉक्टर भगवान स्वरूप 'चैतन्य' ने कहा कि, मुंशी प्रेमचंद ने समाज की पीड़ाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने लेखन में हर परिस्थितियों पर अपनी कथाओं के माध्यम से एक अद्भुत संदेश दिया जिससे अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों को उजागर करने में उनकी कहानी नमक का दरोगा , गवन, गोदान , पंच परमेश्वर आदि उनकी उत्कृष्ट कहानियों को विश्व पटल पर स्थान मिला। विषम परिस्थितियों में भी विपन्नता के साथ ही समाज के दुख को उजागर करने में उनका साहित्य अग्रणी रहा है। इस अवसर पर सभा भवन में सुनीता पाठक ,महिमा तारे ,राम चरण 'रुचिर ', डॉ सुनील त्रिपाठी निराला , दिलीप मिश्रा,डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी मछंड, राम सेवक शर्मा आदि सहित अनेक गणमान्य जन एवं साहित्यकार गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक दिनेश पाठक ने किया।

28 साल की सेवा के बाद गुरुजी को भावभीनी विदाई, सम्मान में उमड़ा जनसैलाब

पूर्व मंत्री रामनिवास रावत बोले– शिक्षक ही राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव

विजयपुर (निज संवाददाता)। शिक्षा के क्षेत्र में 28 वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले शिक्षक श्रीलाल श्रीवास शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर आयोजित सम्मान एवं विदाई समारोह में शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और गणमान्य नागरिकों ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान विद्यालय परिसर गुरु-शिष्य परंपरा और सम्मान के भाव से सराबोर नजर आया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा वन विकास निगम अध्यक्ष रामनिवास रावत ने कहा कि एक समर्पित शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा नहीं देता,बल्कि समाज और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य तैयार करता है। उन्होंने श्रीलाल श्रीवास की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी की सराहना करते हुए उन्हें नई पीढ़ी के शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

इस अवसर पर सहकर्मी शिक्षकों एवं अतिथियों ने श्रीवास का पुष्पमालाओं, शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।वक्ताओं ने उनके सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के साथ शिक्षा के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि उनका सेवाकाल विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। अपने संबोधन में श्रीलाल श्रीवास ने वर्ष 1998 से 31 जुलाई 2026 तक मिले सेवा अवसर को जीवन का सबसे गौरवपूर्ण अध्याय बताते हुए सभी सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक का सबसे बड़ा सम्मान उसके विद्यार्थियों की सफलता होती है तथा सभी से शिक्षा, संस्कार और मानवीय मूल्यों को जीवन में सर्वोच्च स्थान देने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह, स्मृति-चिन्ह वितरण, पुष्पांजलि एवं सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने श्रीलाल श्रीवास के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दीं।

बच्चों की गलतियां सुधार कर शैक्षिक स्तर को बढ़ाएं : चौहान

- जिंप सीईओ ने सांदीपनी स्कूल कनावर का किया निरीक्षण

भिण्ड (निज संवाददाता)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत वीरसिंह चौहान ने शनिवार को सांदीपनी विद्यालय कनावर का औचक निरीक्षण कर स्कूल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मध्यान्ह भोजन के वितरण व गुणवत्ता की जांच की तथा सुनिश्चित किया कि सभी बच्चों को पोषणयुक्त भोजन मिल रहा है। कक्षा में बच्चों से सीधे गुणा, भाग, जोड़ व घटाने के सवाल कर उनके गणितीय ज्ञान का आकलन किया, जिससे शिक्षण स्तर में पारदर्शिता आई। विद्यार्थियों की कॉपियां देखकर शिक्षकों को नियमित रूप से कॉपियां जांचने और बच्चों की गलतियां सुधार कर उनके शैक्षिक स्तर को बढ़ाने के निर्देश दिए।

विद्यालय परिसर में बच्चों के झूले के पास उगी बड़ी घास देखकर सीईओ ने तुरंत कटाई कराने के आदेश दिए तथा आसपास खुले क्षेत्र में पौधारोपण का महत्व बताते हुए पौधे लगाने के निर्देश जारी किए। उन्होंने स्वयं ग्राम पंचायत कनावर में एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। चौहान ने आगामी मंगलवार की सुबह वृहद स्तर पर बीजारोपण व पौधारोपण अभियान चलाने के निर्देश सीईओ जनपद, जन अभियान परिषद, सरपंच एवं सचिव को दिए, ताकि अधिक से अधिक क्षेत्र को हरित बनाया जा सके। अधिकारियों व शिक्षकों से अपेक्षा जताई कि नियमित निरीक्षण एवं सहयोग से बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन के पुत्र सक्षम जैन ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। पर्यावरण संरक्षण और वसुंधरा को हरी-भरी बनाने के पावन उद्देश्य से युवा नेता सक्षम जैन ने ' पीएम एक्सीलेंस' के अंतर्गत संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का दृढ संकल्प लिया। इस दौरान सक्षम जैन ने स्पष्ट किया कि पौधा लगाना सिर्फ एक औपचारिक शुरुआत है, असली जिम्मेदारी उसकी निरंतर देखभाल और संरक्षण करना है। युवा नेता सक्षम जैन ने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए हर नागरिक को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझनी होगी। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान न केवल पर्यावरण सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह हमारी जननी और मातृभूमि दोनों के प्रति सम्मान प्रकट करने का सबसे सुंदर माध्यम है। आइए, हम सब मिलकर इस पुनीत अभियान का हिस्सा बनें। अधिक से अधिक पौधे लगाएं, उन्हें वटवृक्ष बनने तक सींचने और संरक्षित करने का संकल्प लें। हमारी आज की एक छोटी सी कोशिश, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित, स्वच्छ और स्वस्थ कल का निर्माण करेगी। '

भाजपा मण्डल मेहगांव की मासिक कामकाजी बैठक संपन्न

- कैबिनेट मंत्री ने संगठन को किया मजबूत करने का आह्वान

मेहगांव। भारतीय जनता पार्टी मेहगांव मण्डल की कामकाजी बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला, जिला प्रभारी हमीर सिंह पटेल, जिला मंत्री सुभाष राठौर, मण्डल प्रभारी भानसिंह नरवरिया, मण्डल अध्यक्ष रोहित करैया, मण्डल महामंत्री रामवीर सिंह भदौरिया, कालीचरण शाक्य, अरविन्द सिंह भदौरिया, रामजीलाल शर्मा, अमित पिंकी दांतरे, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बबली तोमर, जनपद अध्यक्ष अशोक जाटव मंचासीन रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, बूथ सशक्तिकरण तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला जिला ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, जिसकी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प लेकर कार्य करे तथा सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाए। उन्होंने सदस्यता अभियान, बूथ समिति गठन, शक्ति केन्द्रों की सक्रियता तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, वहीं प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रही है।

जिला प्रभारी हमीर सिंह पटेल ने सभी कार्यकर्ताओं से नियमित रूप से संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लेने और प्रत्येक बूथ पर भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस दौरान आभार व्यक्त मण्डल महामंत्री रामवीर सिंह भदौरिया ने किया। बैठक में भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुधा राठौर, मण्डल उपाध्यक्ष मुन्नी नरवरिया, राजेश त्यागी, हेमंत गुर्जर, मीडिया प्रभारी पुरुषोत्तम राजौरिया, पार्षद राकेश चौधरी, उदय सिंह गुर्जर आदि शामिल रहे।

जननी 108 एंबुलेंस के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी ने पहुंचाया शीघ्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौरमी

भिण्ड / गोरमी (निज संवाददाता) जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह 9:30 बजे, सुनारपुर से पिठनपुरा की ओर जाने वाली सड़क पर अक्लोनी के आगे,बंटी स्कूल के पास,ओमवीर के घर के पास किसी अज्ञात वाहन ने सड़क पर जा रहे व्यक्ति को बुरी तरह जोरदार टक्कर मार दी जिस कारण उस व्यक्ति का दाहिना हाथ पूरी तरह टूट गया तथा साथ में उसके दोनों पैर भी लहू लोहान हो गए और उसके सर में भी काफी चोट आई, मौका देखकर अज्ञात वाहन चालक अपने वाहन को लेकर भागने में सफल हो गया, वहीं से गुजर रहे रगी रन जब उसे घायल व्यक्ति को दिखा तो उन्होंने अपने-अपने वाहन रोक लिए इस समय वहां से गुजर रहे 108 जननी एंबुलेंस के पायलट मुरारी लाल गोस्वामी ने जब सड़क पर पड़े घायल व्यक्ति को दिखा तो उन्होंने तुरंत अपनी 108 एंबुलेंस को वाहन रोक और तुरंत इस समय एक राहगीर ने अपने फोन से 108 पर फोन लगा दिया मौके पर खड़ी गाड़ी में तुरंत गंभीर घायल व्यक्ति को लेटा दिया, पायलट मुरारी लाल गोस्वामी ने , वहीं पर खड़े राहगीर सुभाष पिता अजमेर सिंह निवासी खोगीपुरा की सहायता से,बिना देरी किए, यह गंभीर घायल व्यक्ति को शीघ्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया और उसका इलाज चालू कराया, जिससे घायल व्यक्ति को सही उपचार दिया जा सके और उसकी जान बचाई जा सके,अस्पताल में घायल व्यक्ति की पहचान, रामनिवास पिता छोटेलाल उम्र 42 साल निवासी अच्छाई के रूप में हुई, पूछताछ करने पर जानकारी में आया कि वह सब्जी बेचने का कार्य करता हैं

पशु क्रूरता अधिनियम फरार आरोपी को ऊमरी पुलिस ने दबोचा

भिण्ड। पुलिस द्वारा अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी वैधानिक कार्रवाई हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा एवं एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन तथा एसडीओ मुख्यालय भिण्ड दीपक तोमर के मार्गदर्शन में थाना ऊमरी पुलिस द्वारा पालतू श्वान को बेरहमी से मारने के प्रकरण में महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार थाना ऊमरी में फरियादी रामनरेश सिंह राजावत पुत्र मुन्ना सिंह उम्र 35 साल निवासी उमराव सिंह का पुरा ग्राम नुन्हाटा ने शिकायत की कि उसका पालतू श्वान 17 जुलाई को दोपहर करीब एक बजे घर के बाहर से कहीं चला गया था। काफी तलाश करने के बाद भी श्वान वापस नहीं आया। 27 जुलाई को फरियादी के चाचा के लड़के के मोबाइल पर गांव के एक व्यक्ति द्वारा एक वीडियो भेजा गया, जिसमें एक व्यक्ति उक्त पालतू श्वान को रस्सी एवं लोहे की चैन से पेड़ पर टांगकर रस्सी से खींचते हुए तथा बाद में जमीन पर डालकर लाठी से बेरहमी से मारता हुआ दिखाई दे रहा था। फरियादी की शिकायत पर थाना ऊमरी में अपराध क्र.176/2026 धारा 325 बीएनएस एवं 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने विवेचना के दौरान शनिवार को आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ की। आरोपी की निशादेही के आधार पर घटना में प्रयुक्त डंडा एवं रस्सी तथा आरोपी द्वारा घटना का वीडियो बनाने में प्रयुक्त मोबाइल फोन विधिवत जब्त किया गया है। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध धारा 325 बीएनएस एवं धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत विधि अनुसार आवश्यक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक बृजेन्द्र सिंह सेंगर, प्रधान प्रताप सिंह, संजीव पाराशर, आरक्षक राजेश सिंह, विनोद सिंह, मदन मोहन शर्मा, राजपाल सिंह, आलोक सेंगर, भानु एवं निधि परमार की विशेष भूमिका रही।

किराए की कार बेचकर जीपीएस ट्रैकिंग से चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- बरोही पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई, 3 आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड। जिले में वाहन चोरियों और संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बरोही पुलिस थाना प्रभारी बरोही अतुल भदौरिया और साइबर सेल की टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने शातिर तरीके से किराए पर ली गई गाड़ियों के फर्जी दस्तावेज बनाकर बेचने और फिर जीपीएस की मदद से उन्हें दोबारा चुरा लेने वाली अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि उनके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार 21 जुलाई को फरियादी पवन भदौरिया ने थाना बरोही में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने एक परिचित के माध्यम से वैगनआर कार क्र. एम.पी07 जेड.जे.9332 को 4 लाख रुपए में तय कर एक लाख 68 हजार रुपए नगद और ई-स्टाम्प पर नोटरी कराकर खरीदी थी। वाहन विक्रेता ने रजिस्ट्रेशन कार्ड व पहचान पत्र की फोटोकॉपी भी सौंपी थी। 26 जुलाई की रात फरियादी ने कार अपने घर के बाहर खड़ी की थी, जो अगली सुबह गायब मिली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्र.47/26 धारा 303 (2) भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इस तरह किया गैंग का पर्दाफाश

पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल एवं उपपुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) दीपक तोमर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बरोही अतुल भदौरिया ने तकनीकी व भौतिक साक्ष्य जुटाए। मुखबिर से सूचना मिली कि ग्वालियर का एक गिरोह किराए पर कारें लेकर उनके फर्जी दस्तावेज तैयार करता है और जरूरत मंदों को बेचकर बाद में खुद ही चुरा लेता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्वालियर से 2 और गोहद क्षेत्र से एक आरोपी को धर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से चोरी हुई वैगनआर कार, फर्जी रजिस्ट्रेशन कार्ड और 30 हजार रुपए नगद राशि बरामद की गई।

अपराध का तरीका

आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे पहले किराए पर 4 पहिया वाहन लेते थे। इसके बाद गाड़ी के रजिस्ट्रेशन कार्ड में नाम-पता बदलकर फर्जी दस्तावेज तैयार करते थे और किसी को भी मजबूरी बताकर बेच देते थे। गाड़ी में पहले से जीपीएस ट्रैकर लगा होता था। बिक्री के 2-4 दिन बाद आरोपी जीपीएस लोकेशन ट्रेस कर मास्टर चाबी से वाहन चोरी कर रफूचक्कर हो जाते थे। आरोपियों ने भिण्ड के देहात बीटीआई क्षेत्र से भी एक कार चोरी करना स्वीकार किया है।

सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बरोही अतुल भदौरिया, साइबर सेल प्रभारी सत्यवीर सिंह सहित प्रधान आरक्षक प्रमोद पराशर, गणेश कुमार, सत्येन्द्र यादव, त्रिवेंद्र सिंह, मयंक दुबे, नारायण सिंह, मायाराम, आरक्षक आनंद दीक्षित, राहुल यादव, सौरभ कौरव, मुनेश सिंह, विशाल यादव, अनिल तोमर, राहुल शुक्ला व विकास चौहान की विशेष व सराहनीय भूमिका रही।

एसडीएम स्टेनो गुप्ता की पदोन्नति पर गोहद में सम्मान व विदाई समारोह आयोजित

गोहद। एसडीएम कार्यालय गोहद में पदस्थ स्टेनो अरविंद गुप्ता के पदोन्नत होकर आयुक्त चंबल संभाग मुरैना कार्यालय में पदस्थापना होने पर सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान गोहद एसडीएम कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर आत्मीय सम्मान दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने अरविंद गुप्ता के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने गोहद में अपनी सेवा के दौरान अभूतपूर्व कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय दिया। अपने सहयोगात्मक व्यवहार और कार्य के प्रति अटूट समर्पण के बल पर उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन का दिल जीता। विदाई के इस भावुक क्षण में सहकर्मियों ने विश्वास जताया कि वे आयुक्त, चंबल संभाग कार्यालय मुरैना में भी अपनी कार्यकुशलता और अनुभव के बल पर नई उपलब्धियां हासिल करेंगे और क्षेत्र व विभाग का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम का समापन अरविंद गुप्ता को प्रतीक चिन्ह व स्मृति भेंट सौंपकर, शुभकामनाओं और भावभीनी विदाई के साथ हुआ। इस अवसर पर एसडीएम कार्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारी विशेष रूप से मौजूद रहे।

गोहद में खाद की दुकानों से जिला निरीक्षक लिए नमूने

- कुछ दुकानदार दुकानें बंद करके भागे

भिण्ड। एसडीओ मेहगांव तथा जिला निरीक्षक शिवराज परमार ने अपने दल के साथ गोहद में नमूने लेने की कार्रवाई की। दल को देखते ही गोहद चौक तथा गोहद मार्केट के ज्यादातर विक्रेता अपने प्रतिष्ठान को बंद कर भाग गए।

परमार ने बताया कि गोहद चौक से विवेक बीज भण्डार से बाजरा बीज के तीन नमूने एकत्रित किए तथा प्रतिष्ठान पर पाई गई कमियों के संबंध में नोटिस जारी किया है। लेकिन अन्य विक्रेता जो दल को देखकर भाग गए उन पर कार्रवाई करते हुए पवैया बीज भण्डार, न्यू किसान बीज भण्डार, वैष्णवी किसान सेवा केन्द्र, बालाजी एग्रो एजेंसी खुशी खाद भण्डार के प्रतिष्ठानों को शील्ड कर नोटिस चस्पा किया है और तीन दिन में जवाब प्रस्तुत हेतु लेख किया है। यदि इनके द्वारा निर्धारित समय में तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत नहीं किया जाता है तब परमार के प्रतिवेदन पर प्राथमिकी की कार्रवाई की जाएगी। उप संचालक कृषि रामसुजान शर्मा ने बताया कि जिले में किसानों को उच्च गुणवत्ता आदान सामग्री प्रदाय करना शासन और विभाग की प्रथम प्राथमिकता है। इसके लिए लगातार जिला स्तरीय दल द्वारा औचक निरीक्षण किए जा रहे है, साथ ही कठोर कार्रवाई भी की जा रही है।

महिलाओं से चैन झपटने वाला नाबालिग मास्टर माइंड दबोचा

- 30-40 सीसीसीटीव्ही फुटेज से पुलिस ने सुलझाई दो वारदातें

गोहद। शहर में महिलाओं से चैन स्नैचिंग की दो वारदातों का गोहद थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए गिरोह के नाबालिग मास्टर माइंड को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दोनों घटनाओं में लूटा गया एक मंगलसूत्र और दो मनचली आभूषण बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई गई है। आरोपी नाबालिग होने के कारण पुलिस ने उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की है।

पुलिस के अनुसार 3 जून को सदर बाजार रोड स्थित राधा रानी मन्दिर के सामने पल्सर बाइक पर आए तीन बदमाशों ने एक महिला के गले से मंगलसूत्र झपट लिया था। इसके बाद 16 जुलाई को पान वाली गली चौराहे के पास बिना नंबर की बाइक पर आए दो बदमाशों ने दूसरी महिला के गले से मनचली आभूषण छीन लिया था। दोनों मामलों में थाना गोहद में धारा 304(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल तथा एसडीओपी महेन्द्र कुमार गौतम के मार्गदर्शन में गठित टीम ने शहर और आस-पास लगे 30 से 40 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की गई। जांच के दौरान 25 जुलाई को पुलिस ने अभय माहौर (20) निवासी ग्राम देवरा, थाना मेहगांव और गौरव सिंह (19) निवासी ग्राम पिपरौली, थाना मेहगांव को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त मोटर साइकिल, पल्सर बाइक के पार्ट्स और नकदी बरामद की थी। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस गिरोह के मुख्य आरोपी तक पहुंची, जिसे शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक नाबालिग आरोपी ही वारदात के दौरान बाइक पर पीछे बैठकर महिलाओं के गले से आभूषण झपटता था। उससे एक मंगलसूत्र और दो मनचली बरामद की गई हैं। गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, सउनि कम्पोटर सिंह, प्रधान आरक्षक गौरीशंकर, सोनू कुमार, आकाश केन, आरक्षक भानु तोमर, योगेन्द्र सिंह, सर्वेश तोमर, सागर तोमर, ब्रजेश शर्मा, जीतेन्द्र कदम, साइबर सेल के प्रधान आरक्षक महेश कुमार तथा आरक्षक आनंद दीक्षित की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गोहद पुलिस ने 3 हजार के इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

भिण्ड। गोहद थाना पुलिस ने तीन हजार रुपए के इनामी फरार बदमाश को गोलंबर के पास गोहद से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार गत 27 अप्रैल को फरियादी नवल सिंह पुत्र बहादुर सिंह गुर्जर निवासी वार्ड क्र.2 बिहारी नगर गोहद की शिकायत पर 8 लोगों के विरुद्ध अपराध क्र.88/26 धारा 110, 126(2), 351(3), 3(5) का प्रकरण कायम किया गया। दौराने विवेचना धारा 109, 190, 191 बीएनएस, 25-27 आर्म्स एक्ट की ईजाफा की गई। विवेचना के दौरान उक्त आरोपी घटना दिनांक से फरार चल रहे थे जो गिरफ्तारी से बचने के लिए विभिन्न स्थानो पर रह रहे थे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वार्मा द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर तीन-तीन हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। इसी तारतम्य में थाना गोहद पुलिस ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर फरार आरोपी को गोलंबर के पास कस्बा गोहद से घेरा बंदी कर गिरफ्तार कर लिया, जिसे न्यायालय पेश किया जाएगा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गोहद नरेन्द्र सिंह कुशवाह, उपनिरीक्षक रामनिवास गुर्जर, प्रधान आरक्षक गौरीशंकर, सोनू कुमार, आकाश केन, आरक्षक भानु तोमर, योगेन्द्र सिंह, बृजेश शर्मा, जीतेन्द्र कदम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.: JHS/Commercial/e-Auction/26/73 दिनांकः 30.07.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती हैः-

श्रेणीः प्रचार	केटलॉग संख्याः JHS-NFR-ADV-73

एसेट्स डिटेल्सः ई-ऑक्शन के माध्यम निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेको का आवंटनः

1. Commercial Advertisement Rights through installation and operation of STANDALONE DIGITAL DISPLAY at PF area waiting area, entry/exit gate, FOB & in circulating area of BIX, TKMG, MCSC, MRA & DBA railway stations.
2. (i) E-auction for advertisement right through RDN non digital media at platform at WALL PAINTING inside MRPR, MRA, ORAI, MBA, MCSC, ATE, BNDA, BIX, DBA & LAR railway station (ii) E-auction for advertisement right through RDN non digital media at platform at WATER TANK inside VGLJ, DBA, MBA, BNDA, ATE, CKTD, ORAI, KURJ, MRPR, TKMG, MCSC & BIX railway station.
3. Advertisement Right through RDN NON-DIGITAL Media (FLEX BOARD/ GLOWSIGN BOARD/TRANSLIGHT / LED FLANGE, STATIC ADVERTISEMENT) inside HARPALPUR, KULPAHAR & BELATAL Railway Station.

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः दिनांकः 12.08.2026 को समय- 14:00 से

ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समयः दिनांकः 12.08.2026 को समय- 14:50 तक

नोटः- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1743/26 (PH)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं-No. JHS/Commercial/e-Auction/26/72 **ई-नीलामी सूचना** दिनांकः 30.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती हैः-

श्रेणीः प्रचार	कैटलॉग संख्याः JHS-NFR-MISC-72

एसेट्स डिटेल्सः E-auction **के माध्यम निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेको का आवंटन :**

1. Contract for setting up of rail cafe kiosk at SONI railway station under miscellaneous static policy for a period of 05 years.
2. Operate and maintain of battery-operated vehicles BOV) with advertisement at BANDA & MAHOBA JN railway station under miscellaneous static policy for a period of 05 years.
3. Contract for Multi-Functional Complex (MFC) in railway land at ORAI & MAHOBA under miscellaneous static policy for a period of 12 years.
4. E-Auction For To Install And Operate Of The Static General Outlet at MORENA, DATIA, DABRA & BANDA Railway Station.

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः दिनांक 12.08.2026 को समय- 11:00 से, **ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समयः** दिनांक 12.08.2026 समय- 12:20 तक, **नोटः** उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- **www.ireps.gov.in** के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। 1742/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांक-ए.डी.ई.एन./ललितपुर/नीलामी/ए-7 दिनांक-30.07.2026

नीलामी सूचना

ललितपुर उपमंडल के झाँसी-बीना सेक्शन में विभिन्न स्टेशनों पर परित्यकत रेलवे सर्विस बिल्डिंगो की नीलामी दिनांक 11.08.2026 को होनी है नीलामी का विवरण निम्न है-

रेलवे स्टेशन का नाम एवं सर्विस बिल्डिंगो की संख्या :	AGD, MXS, DUA, JLN, DWA, JHA, BJA, TBT, MZX, BZY, BAB, KHJ & BJI (Total-34 Nos.)
स्टॉक होल्डर :	इंचार्ज वरि0 खण्ड अभियन्ता/कार्य/ललितपुर
नीलामी की तिथि एवं समय :	दि. 11.08.2026 11:00 पूर्वाहन
पेशगी राशि रू में :	नीलामी की जाने वाली राशि का 10 प्रतिशत-15,060.00
सामग्री हटाने की अवधि :	60 दिन
नीलामी का स्थान :	सहायक मंडल अभियन्ता (अनु0) ललितपुर के कार्यालय में।

टिप्पणी- 1. नीलामी की सूचना उत्तर मध्य रेल वेवसाइट **http://www.ncr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और इसे बेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। 2. नीलामी के दिन सांविधिक कर/सभी प्रस्तावों के कार्यो करो के अनुसार मूल्यांकित होगे। 3. बोली लगाने वाले स्वयं नीलामी के समय उपस्थित होंगे। 1748/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

पुलिस प्रशासन सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ करे काम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ई-समन प्रणाली लागू करने में मध्यप्रदेश देश में अव्वल

जबलपुर के महाराजपुर में बनेगा नया थाना

अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने में मध्यप्रदेश बना देश का पहला राज्य

पुलिस कर्मियों के लिए बैरक में बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं, मेस के लिए दी जाएगी पात्रतानुसार राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में संभागीय कार्यालय, तिलवारा थाना और पुलिस आवासों का किया लोकार्पण

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुलिस सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ समर्पित होकर काम करें। यही सच्ची समाज सेवा है, यही जनता की सेवा है। उन्होंने कहा कि देश में जब भी पीपुल्स फ्रेंडली पुलिसिंग की बात आए, तो हमारी संस्कारधानी जबलपुर पुलिस का नाम सबसे पहले आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिसिंग की बेहतरी के लिए तकनीक के सदुपयोग के सद्परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल ऑटोमेडेट फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एनएएफआईएस) के माध्यम से 16 लाख से अधिक फिंगर प्रिंट डेटाबेस का उपयोग करके 12 सौ से अधिक पेचीदा मामलों को तत्परता से सुलझाया गया है। उन्होंने कहा कि एनएएफआईएस से अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश का पहला राज्य बना है। इसी प्रकार ई-समन प्रणाली के माध्यम से 36 लाख से अधिक समन और वारंट तामील कराए जा चुके हैं। यह प्रणाली देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही लागू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-साक्ष्य पोर्टल पर 2 लाख 30 हजार से अधिक डिजिटल सबूत दर्ज किए जा चुके हैं। एनसीआरपी पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत ई-जीरो एफआईआर दर्ज करने के मामले में भी हमारा मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर शहर के तिलवारा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22.57 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 96 आरक्षक आवास, करीब 3.21 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन संभागीय पुलिस कार्यालय और लगभग 2.80 करोड़ रूपए की लागत से तिलवारा पुलिस स्टेशन के नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सायबर सुरक्षा की दिशा में सेफ क्लिक-2.0 देश का सबसे बड़ा जागरूकता अभियान सिद्ध हुआ है। प्रदेशभर में 8 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच बनाई गई, जबकि डिजिटल माध्यमों से 6 करोड़ से अधिक लोगों तक सुरक्षित इंटरनेट और सायबर सुरक्षा का प्रभावी संदेश पहुंचाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर के महाराजपुरा में नया थाना बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जबलपुर में उच्च न्यायालय है। पूरे प्रदेश से पुलिसकर्मियों का यहां आवागमन होता रहता है। पुलिसकर्मियों के रूकने के लिए पुलिस बैरक में सुविधा बढ़ाई जाएंगी। यहां रूकने वाले पुलिसकर्मियों को मेस उपयोग करने पर शासकीय नियमों एवं पात्रतानुसार राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन का पावन महीना चल रहा है। कावड़िये बड़ी संख्या में आवागमन करेंगे। पुलिस प्रशासन यह सु?निश्चित करें कि कावड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या यात्रागत परेशानी न होने पाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपराधियों ने जिस तरह से तकनीक का उपयोग करना शुरू कर दिया है, हमारी पुलिस को भी उनके तरीके से ही लड़ना सीखना होगा। इसके लिए प्रदेश के 1 हजार 117 थानों और 693 वरिष्ठ कार्यालयों को डिजिटली एक-दूसरे से जोड़ दिया गया है। त्वरित और सटीक जांच के लिए पुलिस अधिकारियों को 25 हजार टैबलेट्स सौंपे गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आम नागरिकों की आपातकालीन सुरक्षा के लिए हमने 'डायल-112' सेवा को और अधिक अभेद्य बनाया है। करीब 972 करोड़ रुपये की लागत से 1200 नई और आधुनिक गाड़ियां सभी जिलों को सौंप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर अपराधियों पर हमारा कठोर प्रहार जारी है, वहीं दूसरी ओर हमारी पुलिस की मानवीय संवेदनशीलता भी अद्वितीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के माध्यम से बिछड़े हुए मासूम बच्चों को उनके माता-पिता से मिलाकर उनके चेहरों पर मुस्कान लौटाई है, वहीं 'सृजन कार्यक्रम' के माध्यम से हमारी माताओं, बहनों और बच्चों को एक नया सुरक्षा कवच मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान चलाया है। इसमें प्रदेश में सघन चेकिंग अभियान और नशे के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष जताते हुए कहा कि सरकार के इस अभियान को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भविष्य की चुनौतियों के अनुसार भारत तेजी से बदल रहा है। केंद्र सरकार ने ब्रिटिश शासनकाल के कई पुराने कानूनों को खत्म किया। उन्होंने व्यवस्थाओं में परिवर्तन किया है। देश में नई भारतीय न्याय संहिता लागू की गई। मध्यप्रदेश सरकार भी पुलिस विभाग के कल्याण के लिए हर प्रकार से कार्य कर रही है। देश के लिए दशकों से चुनौती बने नक्सलवाद के दंश को खत्म कर हमारे पुलिस के पराक्रमी जवानों ने 'भूतो न भविष्यति' कार्य किया है। इसके लिए पुलिस महकमे के सभी जवान बधाई के पात्र हैं। लगभग 35 साल पुरानी यह समस्या ऐसी लगती थी, कि कभी खत्म नहीं होगी, लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संकल्प से मध्यप्रदेश नक्सलवाद के लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला अग्रणी राज्य बना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के बालाघाट, मंडला, डिंडोरी जिले का विकास नक्सलियों के कारण रुका रहा। नक्सलियों ने बालाघाट में वर्ष 1999 में तत्कालीन सरकार के एक मंत्री की सरेआम हत्या कर दी, लेकिन तब सरकार ने नक्सलवादियों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। पुलिस विभाग में 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की गई। पुलिस विभाग में सालों से अटके पदोन्नति के मामलों का निराकरण कर 25 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को प्रमोशन दिए हैं। प्रदेश के सभी विभागों में लगभग ढाई लाख से अधिक प्रमोशन हुए हैं। व्यक्तिगत स्तर पर पुलिसकर्मियों के परिवार की चिंता करना भी सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी अगर स्वयं का मकान खरीदना चाहते हैं, तो सरकार उनकी आर्थिक सहायता के लिए जल्द ही एक योजना तैयार करेगी। पुलिसकर्मियों के पास नौकरी से रिटायर्ड होने पर अपनी निजी मकान होना ही चाहिए। हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस बैंड के अंतर्गत नई भर्ती कर प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस बैंड पुनः स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय त्यौहारों को संपूर्ण गरिमा के साथ धूमधाम से मनाए जा सकें। पुलिस बैंड के साथ उठते कदम सबको रोमांचित करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आने वाले सभी पर्व/त्यौहारों को बड़ी धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। सभी त्यौहार शांतिपूर्वक मनाए जा सकें, इसमें पुलिस और प्रशासन की महती भूमिका होती है। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि सुशासन के लिए कुशल प्रशासक की आवश्यकता होती है। सुशासन की निर्भरता कानून व्यवस्था पर होती है। बेहतर कानून व्यवस्था का जिम्मा हमारी पुलिसिंग पर टिका है। पुलिस की वर्दी जिस के पास होती है, उस पर परमात्मा की असीम कृपा होती है, लेकिन एक वर्दीधारी किसी का बेटा, पिता, पति और भाई भी है। हमारे सभी पुलिसकर्मी समाज का अभिन्न अंग हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन और उनकी मंशा के अनुरूप मध्यप्रदेश पुलिस के सभी अधिकारी-कर्मचारी हाईटेक तकनीक का प्रशिक्षण लेकर अपराधियों पर शिकंजा कस रहे हैं। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, जबलपुर सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अशोक ईश्वरदास रोहाणी, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, विधायक श्री सुशील कुमार तिवारी, विधायक श्री नीरज सिंह ठाकुर, विधायक श्री संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम के सभापति श्री रिंकू विज सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

बलराम कृषि महोत्सव किसानों को नई तकनीक और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का अभियान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरदा जिला कृषि क्षेत्र में नंबर वन

कृषि के हर क्षेत्र में विकास के लिये सरकार संकल्पित

मुख्यमंत्री ने हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित किया

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है, किसान इसका अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कृषि उपज मण्डी प्रांगण हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को जबलपुर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भुआणा क्षेत्र की धरती शुरू से ही उपजाऊ रही है। हरदा कृषि क्षेत्र में नम्बर वन है। यहां नर्मदा जी का जल कृषि को और अधिक समृद्ध बनाता है। जिला मूंग, सोयाबीन, गेहूँ के उत्पादन के साथ हरी मिर्च के उत्पादन में भी अग्रणी बन रहा है। जिले के कोने-कोने तक सिंचाई का जल पहुँचाने के लिये कार्य किया जा रहा है। सरकार द्वारा किसानों के हित में 16 विभागों की समन्वित कार्य योजना तैयार कर नियमित फसलों के अलावा दूध, मछली, पशु पालन, फल, सब्जी, मसाले, फूल एवं अन्य कृषि क्षेत्र में बेहतर उत्पादन के लिये कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती के अलावा कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकी भी लाई जा रही है। किसानों को सहकारी समितियों में लेने वाले ऋणों पर ब्याज अब वर्ष में एक बार देना पड़ेगा। सरकार द्वारा जमीन अधिग्रहित किये जाने पर अच्छे आर्थिक मुआवजे की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम्परागत खेती अब गुजरे जमाने की बात हो गई है। अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है। किसान बंधु अपने खेत की मिट्टी की जांच करायें। मिट्टी की उत्पादकता के अनुसार ही फसल लें। बहुत अधिक रायायनिक उर्वरकों का उपयोग करने से बचें, जितनी जल्दी हो सके, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ें। फसल विविधीकरण अपनाएं। एक ही किस्म की फसल के स्थान पर एक ही समय में खेत में एकाधिक फसल लें। इससे किसानों के खेतों में नई फसल किस्मों की हरियाली आयेगी, साथ ही आमदनी भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी त्यौहार हँसी खुशी से मनाये जाएं। साथ ही कावड़ यात्रियों की सुविधा के लिये प्रशासन द्वारा उचित कदम उठाए जाएं।

किसानों के प्रति सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार लगातार किसान कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसान अपनी मेहनत और पसीने से धरती से अन्न उगाते हैं और भूखों को अनाज उपलब्ध कराते हैं। किसानों के प्रति हमारी सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान है। किसान भाइयों को आज एक साथ 4000 रुपए सम्मान निधि के रूप में उनके बैंक खातों में अंतरित किये गए हैं।

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों की आय दोगुना करने का संकल्प : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की क्षमताओं को पहचानती है। भारत वह देश है, जो अपनी परम्पराओं में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखते हुए संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है। हमारी संस्कृति 'जियो और जीने दो' पर विश्वास करती है। भगवान बलराम कृषि क्षेत्र के पहले देवता हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुना करने के लिए हम वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मना रहे हैं। इसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाये जा रहे हैं।

दुग्ध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह किसानों के प्रति हमारी संकल्प शक्ति का ही परिणाम है कि आज प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 65 लाख हैक्टेयर हो गया है, जो कि वर्ष 2002-03 से पहले मात्र साढ़े 7 लाख हैक्टेयर था। पिछले ढाई साल में सिंचाई का रकबा 10 लाख हैक्टेयर से अधिक बढ़ चुका है। राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए किसानों को बिजली, पानी, बेहतर सड़कें, प्राकृतिक खेती और आधुनिक खेती से जोड़ा है। किसान भाई अब ड्रोन से खेतों में खाद-बीज का छिड़काव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी वर्षाकाल के बाद किसानों को रात के साथ दिन में भी सिंचाई के लिए बिजली दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। दुग्ध उत्पादन को वर्तमान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर हमने 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से जिले के कृषकों को महत्वपूर्ण कृषि उपयोगी जानकारी मिल रही है। साथ ही वे कृषि की नई तकनीकों से भी अवगत हो रहे हैं। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव से किसानों को कृषि की वैज्ञानिक पद्धतियों, उपज बढ़ाने के तरीकों की जानकारी मिल रही है। सरकार चाहती है कि किसान समर्थ, खुशहाल और सम्पन्न बने, जिसके लिये निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं एवं किसानों के हित में अन्य योजनाएं लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि 60 प्रतिशत मूंग खरीदी की घोषणा से किसानों को बड़ी सहुलियत मिली है।

श्मशान से गलियों तक झाड़ू लेकर उतरे जनपद सीईओ दीपक धाकड़

ग्रामीणों संग चलाया स्वच्छता अभियान, योजनाओं का लिया फीडबैक और जनभागीदारी का दिया संदेश

श्योपुर/विजयपुर (निज संवाददाता)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शनिवार को जनपद पंचायत विजयपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) दीपक धाकड़ ने ग्राम पंचायत मढ़ा में स्वयं झाड़ू उठाकर स्वच्छता अभियान की कमान संभाली। श्मशान घाट से लेकर गांव की गलियों तक ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और स्वच्छता कर्मियों के साथ साफ-सफाई कर उन्होंने स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का संदेश दिया। सीईओ दीपक धाकड़ ने अभियान के दौरान गांव की स्वच्छता व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों, नालियों और श्मशान घाट की सफाई का जायजा लेते हुए सरपंच एवं सचिव को निर्देश दिए कि गांव में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक नागरिक की भागीदारी बढ़ाकर स्वच्छता अभियान को निरंतर गति दी जाए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर केंद्र एवं मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से पूछा कि उन्हें योजनाओं का लाभ समय पर मिल रहा है या नहीं। यदि किसी योजना के क्रियान्वयन में कोई समस्या आ रही है तो तत्काल प्रशासन को अवगत कराने की बात कही, ताकि उसका शीघ्र समाधान कराया जा सके। सीईओ ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जब तक आमजन सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएंगे, तब तक स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर गांव का सपना पूरी तरह साकार नहीं हो सकता। उन्होंने ग्रामीणों से अपने घरों और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। स्वच्छता अभियान में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, सचिव, स्वच्छता कर्मियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के दौरान पूरे गांव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का माहौल देखने को मिला और लोगों ने नियमित साफ-सफाई बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

भारत की आध्यात्मिक परम्परा से अनेक हैं राष्ट्र प्रभावित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बाबा नीब करौरी महाराज के कलात्मक चित्र का अनावरण

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत की आध्यात्मिक परम्परा और ज्ञान परम्परा एक ऐसी शक्ति है जिससे विश्व में अनेक राष्ट्र प्रभावित हैं। यही वजह है कि उत्तराखंड के कैंची धाम में बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए अनेक देशों के लोग आते रहे हैं। स्वामी विवेकानंद ने भी विश्व के विद्वानों के समक्ष भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। उस दौर में जब भौतिक प्रगति के पैमाने नहीं थे भारत की आध्यात्मिक शक्ति का महत्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रवीन्द्र भवन परिसर में शनिवार की शाम बाबा नीब करौरी महाराज की हस्तकला से निर्मित कलात्मक चित्र के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आध्यात्मिक विभूति बाबा नीब करौरी के संपर्क में जो भी व्यक्ति आए, उनका जीवन परिवर्तित हो गया। वर्ष 1964 में नैनीताल के निकट स्थापित आश्रम में हुनमान जी की प्रतिमा स्थापित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान हनुमान के अनन्य उपासक पूज्य नीब करौरी महाराज का जीवन प्रेम, करूणा और निःस्वार्थ सेवा का अद्भुत उदाहरण है। वे मानते थे कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम सेवा से जीवन के सभी संकट दूर हो सकते हैं।

कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, श्री कैलाश मिश्रा के अलावा विशेष रूप से बाबा नीब करौरी महाराज के पौत्र डॉ. धनंजय शर्मा और बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। इस अवसर पर पूज्य बाबा की 30×30 फीट की कलात्मक तस्वीर तैयार करने वाले पश्चिम बंगाल के कलाकार और बाबा नीब करौरी रामबेती एजूकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रारंभ में भगवान हनुमान और बाबा नीब करौरी महाराज के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए।

खबर का बड़ा असर: जागा नगर परिषद, रातों-रात चमकी सड़क, लोगों ने ली राहत की सांस

संवाददाता पंकज श्रीवास

सच टाइम्स
शुक्रवार 31 जुलाई 2026
मुख्य सड़क पर पसरा अंधेरा, कई दिनों से बंद हैं स्ट्रीट लाइटें
सुनवई तिराहे से पेट्रोल पंप तक राहगीर परेशान, नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

विजयपुर। जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाली पत्रकारिता का सकारात्मक असर एक बार फिर देखने को मिला। सुनवई तिराहे से पेट्रोल पंप तक कई दिनों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को लेकर प्रकाशित समाचार के बाद नगर परिषद विजयपुर तत्काल हरकत में आई और बंद पड़ी सभी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर उन्हें पुनः चालू करा दिया। गौरतलब है कि लंबे समय से इस मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें बंद होने के कारण रात के समय राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अंधेरा होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी और असामाजिक गतिविधियों का भी खतरा बना हुआ था। समाचार प्रकाशित होते ही नगर परिषद के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित कर्मचारियों को मौके पर भेजकर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया। इसके बाद पूरे मार्ग की स्ट्रीट लाइटें पुनः चालू कर दी गईं, जिससे सड़क पर फिर से रोशनी लौट आई और रात में आवागमन सुरक्षित एवं सुगम हो गया। स्ट्रीट लाइटें चालू होने के बाद स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली। क्षेत्रवासियों ने जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए मीडिया की सराहना करते हुए नगर परिषद द्वारा त्वरित कार्रवाई पर आभार व्यक्त किया। लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों में इसी तरह संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई की जाएगी।